डाक पंजीकरण संख्या बी.एस.टी.६२ आर.एन.आई.संख्या ४०३६७/८४ नेट संस्करण www.awajdarpan.com पर पढें

साप्ताहिक

आवाज दर्पण

प्रत्येक रविवार

बस्ती (उ.प्र.) वर्ष ४९ अंक ३३ रविवार ०४ अगस्त से १० अगस्त २०२४ मूल्य तीन-रुपये

नजूल सम्पत्ति विधेयक को लेकर यूपी की राजनीति में सियासी घमासान तेज

लखनऊ (आभा)। नजूल सम्पत्ति विधेयक को लेकर सियासी घमासान मच गया है। दरअसल योगी सरकार ने विधानसभा में इस विधेयक को पास करा लिया लेकिन ये अब विधानपरिषद में फंस गया। भाजपा की सहयोगी पार्टी अपना दल (एस) ने इस नजूल संपत्ति विधेयक पर विरोध जताते हुए कहा कि इसे बिना विचार विमर्श के जल्दबाजी में लाया गया है। अनुप्रिया पटेल ने कहा कि इसे तत्काल वापस लिया जाना चाहिए। वहीं, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने विधान परिषद में इसे प्रवर समिति में भेजने की मांग की। जिसके बाद विधानपरिषद के सभी सदस्यों ने इसे प्रवर समिति के पास भेजने का फैसला लिया। अब 2 महीने बाद समिति नजूल विधेयक पर अपनी रिपोर्ट सौपेंगी। यूपी विधानसभा में बुधवार को विपक्ष के विरोध और वेल में प्रदर्शन के बीच नजूल संपत्ति विधेयक 2024 पारित हो गया। विपक्ष के विधायकों ने विधेयक के नियमों पर कड़ा ऐतराज जताया था। वहीं, सियासी बयानबाजी के बीच शुक्रवार को योगी सरकार ने कुछ महत्वपूर्ण पहलुओं को शुक्रवार को स्पष्ट किया। प्रदेश सरकार ने कहा कि विधानसभा में पास किए गए नए नजूल विधेयक के तहत किसी भी व्यक्ति की बेदखली नहीं करेगी। साथ ही ऐसे पट्टाधारक जिन्होंने लीज डीड उल्घंघन नहीं किया है उनका पट्टा नियमानुसार जारी रहेगा। विधेयक के तहत ऐसी किसी भी भूमि पर जहां लोग निवास कर रहे हैं या जिसका व्यापक जनहित में उपयोग किया जा रहा है उसे नहीं हटाया जाएगा।

नजूल संपत्ति विधेयक प्रभावी होने के बाद यूपी में किसी भी नजूल भूमि को किसी प्राइवेट व्यक्ति या प्राइवेट एंटिटी के पक्ष में फ्री होल्ड नहीं किया जाएगा। इन भूमि का अनुदान केवल सार्वजनिक जैसे केंद्रीय या राज्य सरकार के विभाग, शिक्षा, स्वास्थ्य या समाजिक सहायता देने वाले संस्थाओं को ही दिया जाएगा। इसके अलावा खाली पड़ी नजूल भूमि जिसकी लीज अवधि खत्म हो रही है उसे फ्री होल्ड न कर सार्वजनिक हित में उपयोग किया जाएगा। ऐसे पट्टाधारक जिन्होंने 27 जुलाई 2020 तक फ्री होल्ड के लिए आवेदन किया था और समय से निर्धारित शुल्क जमा किया वह लीज खत्म होने के अगले 30 साल तक के लिए नवीनीकरण करा सकेंगे। बशर्ते उन्होंने मूल लीज डीड का उल्लघंन न किया हो।

योगी सरकार नजूल जमीनों का उपयोग सार्वजनिक कार्यों के लिए करना चाहती है। नजूल संपत्ति विधेयक पेश करते हुए संसदीय कार्यमंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने कि नजूल की जमीनों का उपयोग सार्वजनिक कार्यों के लिए किया जाएगा। जहां विकास कार्य कराना है वहां नजूल भूमि की इस्तेमाल किया जाएगा। ब्रिटिश सरकार के दौरान आंदोनकारियों से जब्त जमीनें ही नजूल भूमि हैं। जिन लोगों ने नजूल की भूमि लीज पर ले रखी है और उसका नियमित रूप से किराया जमा कर रहे हैं वह लीज एग्रीमेंट का उल्लघंन नहीं कर रहे हैं। ज्ञात रहे कि नजूल जमीन ऐसी भूमि होती है। जिनका स्वामित्व सरकार के पास होता है। दरअसल भारत में आजादी के बाद अंग्रेजों ने इन जमीनों को खाली कर दिया लेकिन राजाओं और राजघरानों के पास अक्सर पूर्व स्वामित्व साबित करने के लिए उचित दस्तावेजों की कमी होती थी। इन जमीनों को नजूल भूमि के रूप चिह्नित किया गया था। जिसकी संपत्ति अधिकार सरकार के पास है।

आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के नाम पर बस्ती में विश्वविद्यालय बनाने की मांग तेज

संवाददाता–बस्ती। हिन्दी साहित्य के पुरोधा आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के नाम पर हिन्दी विश्वविद्यालय बनाने की मांग तेज हो गई है। पिछले कई वर्षों से यह मांग की जा रही है। इसी क्रम में बुधवार को हरैया विधायक अजय सिंह ने आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के नाम पर हिन्दी विश्वविद्यालय की स्थापना के संदर्भ में नियम 51 के अंतर्गत सूचना देकर वक्तव्य की मांग किया । इसके उत्तर में विधानसभा के प्रमुख सचिव प्रदीप कुमार दुबे ने पत्र जारी कर जानकारी दिया कि विधानसभा अध्यक्ष द्वारा उक्त सूचना को वक्तव्य के लिए स्वीकार किया गया है । उक्त सूचना पर सदन में वक्तव्य दिए जाने के लिए 2 अगस्त 2024 की तिथि निध ारित की गई है। विश्वविद्यालय की मांग कर रहे विधायक अजय सिंह सहित अन्य लोगों का कहना है कि आचार्य रामचन्द्र शुक्ल का हिन्दी साहित्य में महत्वपूर्ण योगदान रहा है और उनका जन्म जनपद बस्ती की पवित्र धरा पर हुआ है इसलिए उनके सम्मान और योगदान को देखते हुए हिन्दी विश्वविद्यालय की स्थापना बस्ती में अति आवश्यक है। विधायक अजय सिंह ने कहा कि आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने हिन्दी साहित्य का इतिहास लिखकर इतिहास लेखन और समीक्षा, आलोचना को विश्व स्तर पर प्रतिष्ठा दिया। वे हिन्दी साहित्य के श्रेष्ठ निबंधकार, मूध न्य आलोचक, निष्पक्ष इतिहासकार एवं युग प्रवर्तक थे। उन्होंने हिन्दी निबंध को नया आयाम देकर उसे ठोस ध रातल पर प्रतिष्ठित किया।

विधायक अजय सिंह ने बताया कि आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के नाम से विश्वविद्यालय की स्थापना के लिये लम्बे समय से मांग चल रही है। दुर्गादत्त पाण्डेय के साथ ही अनेक शिक्षक, छात्र निरन्तर इस मांग को लेकर सरकार से रचनात्मक पहल का आग्रह करते रहे हैं। आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के नाम से विश्वविद्यालय की स्थापना के लिये उनका प्रयास अनवरत जारी रहेगा और सरकार आवश्यकता को देखते हुये गंभीरता से विचार कर इस पर शीघ्र घोषणा भी कर सकती है। यह बस्ती के साथ ही पूर्वान्चल के लिये बड़ी उपलब्धि होगी।

ज्ञात रहे कि बस्ती मण्डल मुख्यालय विश्वविद्यालय से वंचित है और अनेक डिग्री कालेज सिद्धार्थ विश्वविद्यालय से सम्बद्ध है। यहां से सिद्धार्थ विश्वविद्यालय आने जाने में छात्रों के साथ ही प्रशासनिक कार्य से जाने वाले लोगों को भी काफी कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है। यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि क्या बस्ती में आचार्य राम चन्द्र शुक्ल विश्वविद्यालय की मांग पूरी हो पायेगी।

अयोध्या गैंगरेप मामले में सपा नेता कीबेकरी पर चला बुलडोजर, फैक्ट्री ध्वस्त

संवाददाता–अयोध्या। अयोध्या में नाबालिग से गैंगरेप के मामले में योगी सरकार ने सख्ती दिखाई है। थानेदार और चौकी प्रभारी के निलंबन के बाद अब रेप केस का आरोपी सपा नेता की बेकरी पर बुलडोजर चला है। अधिकारियों की मौजूदगी में सपा नेता की बेकरी को बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया गया। अयोध्या में हुई इस कार्रवाई के बाद से अपराधियों में दहशत फैल गई है।

शुक्रवार को दुष्कर्म पीड़ित बच्ची की मां ने मुख्यमंत्री से उनके सरकारी आवास पर मुलाकात के बाद प्रशासन हरकत में आ गया। शनिवार सुबह से ही पुलिस प्रशासन मुस्तैदी से डटा रहा। एडीएम प्रशासन, एसडीएम सोहावल तहसीलदार, अधिशासी अधि ाकारी नगर पंचायत भादरसा अंजू यादव शहीद पुलिस टीम की मौजूदगी में गैंग रेप के मुख्य आरोपी सपा नेता मोईद खान की बेकरी को तीन बुलडोजर लगाकर ध्वस्त करवा दिया गया। वह जमीन जानकी प्रसाद की बताई जा रही है। जिसपर बेकरी बनाकर संचालित किया जा रहा था। बेकरी के उत्तर आध ा हेक्टर तालाब की भूमि पर भी बाउंड्री बनाकर कब्जा किया गया था जिसको गिरकर नष्ट कर दिया गया।

पीड़िता की मां ने विधायक अमित सिंह चौहान के साथ शुक्रवार को सरकारी आवास पर जाकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की थी। जिसमें पूरे मामले की जानकारी पीड़िता की मां ने मुख्यमंत्री को दिया था। एबीवीपी ने कलेक्ट्रेट के सामने प्रदर्शन करते हुए 30 घंटे में कोई भी कार्रवाई न होने पर प्रशासन के उपर प्रश्नचिह्न लगाया था। इससे पहले गैंगरेप के आरोपी मोईद खान के कमरे में संचालित हो रही भदरसा पुलिस चौकी को भरतकुंड सरोवर के किनारे स्थित पर्यटन विभाग की जमीन पर शिफ्ट कर दिया गया।

आरोपी के स्थानीय थाने व पुलिस चौकी से सम्बंध होने के आरोप लग रहे थे। मामले में एसएसपी राजकरन नैय्यर ने थानाध्यक्ष रतन कुमार शर्मा व चौकी प्रभारी अखिलेश गुप्ता को सस्पेंड कर दिया। इसके बाद भी मामला शांत नहीं हुआ था। बच्ची से रेप के मामले में लगातार बुलडोजर एक्शन की मांग की जा रही थी। इसके बाद सोहावल के उपजिलाधिकारी अशोक कुमार सैनी की अगुवाई में तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक और लेखपाल की टीम भदरसा पहुंची। जहां सबसे पहले गैंगरेप के आरोपी मोईद खान की बेकरी के पास पैमाइश शुरू की गई, जिसमे पंजाब नेशनल बैंक भी किराये पर चल रहा है। शनिवार को उसे बुलडोजर से गिरवा दिया गया।

बच्ची के साथ शर्मनाक वारदात को अंजाम देने वाला मोईन खान सपा नेता है। सपा नेता के साथ ही उसके नौकर पर दुष्कर्म और ब्लैकमेलिंग का आरोप है। आरोपित मोईन खान फैजाबाद से सपा सांसद अवधेश प्रसाद का करीबी बताया जाता है। एक दिन पहले ही मुख्यमंत्री योगी ने विधानसभा में इस मामले पर बोलते हुए गहरी नाराजगी व्यक्त की थी।

उन्होंने इस मामले में समाजवादी पार्टी की ओर से आरोपी को लेकर सॉफ्ट कॉर्नर रखने के लिए सपा नेताओं की कड़े शब्दों में भर्त्सना की थी।

सीधा साधा सच्चा लिख,जो भी लिख, पर पक्का लिख।
मत लिख इनके–उनके जैसा, केवल अपने जैसा लिख।।
– बालसोम गौतम

डाक पंजीकरण संख्या बी.एस.टी.62 R.N.I. 40367/84

साप्ताहिक
आवाज दर्पण
प्रत्येक रविवार

आरक्षण की नई दिशा

सर्वोच्च न्यायालय ने गुरुवार को आरक्षण पर दिए ऐतिहासिक फैसले में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (एससी–एसटी) के आरक्षण के तहत वर्गीकरण की मंजूरी दे दी है। यानी मौजूदा कोटे के अंदर भी नया कोटा बनाया जा सकेगा। साथ ही कोर्ट ने एससी, एसटी वर्ग के आरक्षण में से क्रीमीलेयर को चिन्हित कर बाहर किए जाने की जरूरत पर बल दिया है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले का मतलब यह निकलता है कि एससी, एसटी वर्ग को मिलने वाले आरक्षण में उसी वर्ग के आरक्षण का लाभ पाने से वंचित रह गए वर्गों को लाभ देने के लिए उप वर्गीकरण किया जा सकता है। उदाहरण के लिए एससी वर्ग की जो जातियां ज्यादा पिछड़ी रह गई हैं और उन्हें आरक्षण का लाभ नहीं मिल पाया है, उनका सरकारी नौकरियों में पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं है, उनको उप वर्गीकरण के जरिए उसी कोटे में प्राथमिकता दी जा सकती है ताकि उन तक लाभ पहुंचे और उनका उत्थान हो।

हालांकि कोर्ट ने कहा है कि इसके लिए पर्याप्त प्रतिनिधित्व न होने और पिछड़ेपन का संकेत देने वाले आंकड़े एकत्र करने होंगे। फैसले का दूसरा पहलू क्रीमी लेयर है। सुप्रीम कोर्ट ने फैसले में एससी एसटी वर्ग में क्रीमी लेयर की पहचान कर उसे आरक्षण के लाभ से बाहर करने की बात कही है। अभी तक क्रीमी लेयर का सिद्धांत सिर्फ ओबीसी आरक्षण में ही लागू है। एससी–एसटी वर्ग के आरक्षण में क्रीमी लेयर का सिद्धांत लागू नहीं है, लेकिन इस फैसले के बाद एससी एसटी वर्ग में भी क्रीमी लेयर की पहचान करने और उसे बाहर करने की बात कही गई है, ताकि वास्तविक जरूरतमंदों को ही आरक्षण का लाभ मिले।

यह फैसला इस लिहाज से भी याद रखा जाएगा कि मसले की जटिलता की झलक पीठ के सदस्यों की अलग–अलग राय में भी मिलती है। ऐसे उदाहरण कम मिलते हैं कि 6–1 के बहुमत से दिए गए फैसले में भी छह ओपिनियन सामने आएं। जस्टिस बेला एम त्रिवेदी तो बहुमत की राय से असंतुष्ट रहीं, लेकिन जो छह जज बहुमत की राय से सहमति रखते हैं, उनके भी पांच अलग–अलग फैसले आए। इनमें क्रीमी लेयर को एससी–एसटी पर भी लागू करने और आरक्षण को एक पीढ़ी तक सीमित करने जैसे अलग–अलग तरह के कई सुझाव दर्ज हुए।

सर्वोच्च न्यायालय की संविधान पीठ ने 6–1 के बहुमत से फैसला देकर साफ कर दिया है कि राज्यों को आरक्षण के लिए कोटा के भीतर कोटा बनाने का अधिकार है यानी राज्य सरकारें अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति श्रेणियों के लिए सब कैटेगरी बना सकती हैं। राज्य विधानसभाएं इसे लेकर कानून बनाने में समक्ष होंगी। इसी के साथ सुप्रीम कोर्ट ने 2004 के अपने पुराने फैसले को पलट दिया है. हालांकि, कोर्ट का यह भी कहना था कि सब कैटेगिरी का आधार उचित होना चाहिए। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस बेला एम त्रिवेदी, जस्टिस पंकज मिथल, जस्टिस मनोज मिश्रा और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की बेंच ने ये फैसला सुनाया।

आरक्षण का उद्देश्य सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्गों को अवसर प्रदान करना है, लेकिन अक्सर बड़े समूहों के भीतर कुछ समूह ज्यादा लाभ उठा लेते हैं, जिससे अन्य उपेक्षित रह जाते हैं। जैसे– ओबीसी आरक्षण में विभाजन. कई राज्यों में ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) आरक्षण को ज्यादा पिछड़े और कम पिछड़े समूहों में विभाजित किया गया है ताकि अधिक पिछड़े वर्गों को अधिक लाभ मिल सके। कुछ राज्यों में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के आरक्षण को भी विभाजित किया गया है ताकि इनमें भी सबसे कमजोर वर्गों को प्राथमिकता दी जा सके. आरक्षण की इस व्यवस्था को कुछ लोग विभाजनकारी मानते हैं और तर्क देते हैं कि इससे समुदायों के बीच दरार बढ़ सकती है. वहीं एक बड़ा वर्ग इसे जरूरी मानता है। साफ है कि कानून के लिहाज से बहुमत का फैसला ही मान्य होगा, लेकिन पीठ के सदस्यों के वैयक्तिक फैसलों में जाहिर हुए ये सुझाव आगे विमर्श की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभाएंगे। कुल मिलाकर, फैसला न सिर्फ पॉलिसी के लेवल पर महत्वपूर्ण दखल है बल्कि आरक्षण जैसे मसले पर भविष्य के लिए दिशासूचक का भी काम कर सकता है। वैसे सर्वोच्च न्यायालय के फैसले पर राजनीति शुरू हो गई है। बसपा सुप्रीमो मायावती ने आरक्षण को लेकर सुप्रीम कोर्ट के दिए गए फैसले पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि क्या दलितों व आदिवासियों का जीवन द्वेष व भेदभाव–मुक्त हो गया है? ऐसे में आरक्षण का बंटवारा कितना उचित है? उन्होंने भाजपा–कांग्रेस को भी निशाने पर लिया और कहा कि एससी–एसटी व ओबीसी लेकर दोनों दलों का रवैया उदारवादी रहा है सुधारवादी नहीं।

वायनाड त्रासदी प्रकृति की बड़ी चेतावनी

—डॉ. ओ.पी. त्रिपाठी—

केरल के वायनाड में आए भारी भूस्खलन से प्रलय मच गया है. हादसे में अब तक 300 के करीब लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, हजारों लोग घायल हैं और मलबे में दबे लोगों की तलाश चल रही है। देर रात आई आपदा ने जन–धन की हानि को बढ़ाया है। इस आपदा ने 11 साल पहले आई केदारनाथ त्रासदी की यादें ताजा कर दी हैं। जो रात में सोया था, उसे उठने तक का मौका नहीं मिला और सुबह मलबे में मिला। चारों तरफ बर्बादी ने इन गांवों की खूबसूरती को उजाड़ दिया। भूस्खलन से उपजी बड़ी मानवीय त्रासदी इस बात का प्रमाण है कि प्राकृतिक रौद्र को बढ़ाने में मानवीय हस्तक्षेप की भी बड़ी नकारात्मक भूमिका रही है। भूस्खलन और उसके बाद तेज बारिश से राहत व बचाव के कार्यों में बाधा आने से फिर स्पष्ट हुआ है कि कुदरत के रौद्र के सामने आज भी सारी मानवीय व्यवस्था बौनी साबित होती है।

वैज्ञानिक बार–बार चेता रहे हैं कि भारत के पश्चिमी तट पर वर्षा का पैटर्न बदलता जा रहा है। वर्षा अक्सर एक छोटे से क्षेत्र में तीव्र, अल्पकालिक या गरज के साथ हो रही है। वजह भी दक्षिण–पूर्व अरब सागर के गर्म होने की बताई जा रही है। मंगलवार को केरल जिले के वायनाड में अपने साथ किए जा रहे खिलवाड़ से गुस्साई प्रकृति भी रौद्र रूप में सामने आ गई। प्रकृति के इस रूप ने केरल की हरियाली से लबरेज उन तमाम तस्वीरों को मटियामेट कर दिया जिनके माध्यम से केरल को सर्वाधिक समृद्ध जैव विविधता वाले राज्य के रूप में पहचाना जाता है।

पिछले कुछ वर्षों में किए गए अध्ययन बताते हैं कि जलवायु परिवर्तन और वन क्षेत्र की हानि वायनाड में विनाशकारी भूस्खलन के दो सबसे महत्वपूर्ण कारण हैं। राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केंद्र, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के बीते वर्ष जारी भूस्खलन एटलस के मुताबिक, भारत के 30 सर्वाधिक भूस्खलन–संभावित जिलों में से 10 केरल में ही थे, और वायनाड इनमें 13वें स्थान पर था। इसी में यह भी कहा गया था कि पश्चिमी घाट और तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, गोवा व महाराष्ट्र की कोंकण पहाड़ियों का 90 हजार वर्ग किलोमीटर क्षेत्र भूस्खलन की दृष्टि से संवेदनशील है। दूसरी ओर, वायनाड में घटते वन क्षेत्र पर 2022 के एक अध्ययन से पता चलता है कि 1950 से 2018 के बीच जिले में 62 फीसदी वन गायब हो गए, जबकि बागान (प्लांटेशन) क्षेत्र में लगभग 1,800 प्रतिशत की वृद्धि हुई। जाहिर है कि वनों की कटाई से भू–भाग कमजोर हो चुका है जो तेज बारिश में बार–बार भूस्खलन की वजह बनता है।

जलवायु–परिवर्तन ने भी बारिश की स्थिति और भू–स्खलन की तीव्रता को बढ़ाया है। एक शोध में कहा गया है कि जो वायनाड साल भर बूंदाबांदी और मानसून की बारिश वाला ठंडा, नम वातावरण वाला इलाका होता था, जलवायु–परिवर्तन के कारण अब सूखा, गर्म, लेकिन मानसून के दौरान भारी, तीव्र बारिश वाला क्षेत्र बन गया है। इस बदलाव से भू–स्खलन का जोखिम बढ़ा है। 2018 के मानसून में भी खूब बारिश हुई थी, तब करीब 400 लोगों की जान चली गई थी। उसके बाद केरल में भू–स्खलन वाला क्षेत्र बढ़ गया है।

प्रथम दृष्टया इस तबाही को एक प्राकृतिक आपदा के रूप में वर्णित किया जा रहा है, लेकिन जलवायु परिवर्तन, पर्यावरण की दृष्टि से संवेदनशील इलाके और वन क्षेत्र को लगातार हुए नुकसान जैसे कारकों के प्रभाव को भी नकारा नहीं जा सकता। उल्लेखनीय है कि बीते वर्ष भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के राष्ट्रीय रिमोट सेंसिंग सेंटर द्वारा जारी भूस्खलन के मानचित्र के अनुसार भारत के भूस्खलन की दृष्टि से सबसे अधिक संवेदनशील जिलों में दस जिले केरल में स्थित हैं। जिसमें वायनाड 13वें स्थान पर हैं।

वर्ष 2021 के एक अध्ययन के अनुसार केरल में सभी भूस्खलन की दृष्टि से संवेदनशील इलाके पश्चिमी घाट में स्थित हैं। जिसमें इडुक्की, एर्नाकुलम, कोट्टायम, वायनाड, कोझिकोड और मलप्पुरम जिले शामिल हैं। जाहिर है इस चेतावनी को तंत्र ने गंभीरता से नहीं लिया।निस्संदेह, मौजूदा परिस्थितियों में जरूरी है कि विभिन्न राज्यों में ऐसी आपदाओं से बचाव की तैयारी करने और निपटने के लिये तंत्र को बेहतर ढंग से सुसज्जित करने के तौर–तरीकों पर भी युद्धस्तर पर काम किया जाए। यदि ऐसी आपदाओं से बचाव के लिये प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली विकसित कर ली जाती है तो जान–माल के नुकसान को कम किया जा सकता है। विडंबना है कि केरल के मामले में ऐसा नहीं हो पाया है। इसमें दो राय नहीं कि हाल के वर्षों में देश में आपदा प्रबंधन की दिशा में प्रतिक्रियाशील तंत्र सक्रिय हुआ है और जान–माल की क्षति को कम करने में कुछ सफलता भी मिली है, लेकिन इस दिशा में अभी बहुत कुछ करना बाकी है। इसके साथ ही पारिस्थितिकीय रूप से संवेदनशील क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे के विकास और पर्यटन को बढ़ावा देने के प्रभाव के बारे में विशेषज्ञों की चेतावनियों पर ध्यान देने की जरूरत है। जिसके लिये राज्य सरकारों की सक्रियता, उद्योगों की जवाबदेही और स्थानीय समुदायों की जागरूकता की जरूरत है।

जाने कितनी ही बार हमने 'ईश्वर के अपने देश' के रूप में केरल को देखा–सुना है। यह इसलिए भी क्योंकि प्रकृति ने इस राज्य को सौंदर्य के अनगिनत विशेषणों से अलंकृत किया है। यही वजह है कि केरल घरेलू पर्यटकों के लिए सबसे पसंदीदा जगह है। वायनाड में हुए भयावह भूस्खलन की तस्वीरों ने सबको इस कद्र बेचौन कर दिया है कि अब जरूरत उन कारणों की तलाश की हो गई है जिनकी वजह से यह विनाशलीला सामने आई।

ऐसी आपदाएं हमें सबक देती हैं कि भले ही हम कुदरत का कोहराम न रोक सके लेकिन जन–धन की हानि को कम करने के प्रयास जरूर किये जा सकते हैं। वायनाड के इलाके में तमाम केंद्रीय व राज्य की एजेंसियां तथा सेना और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक राहत–बचाव कार्य में जुटे हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया जा रहा है और विस्थापितों को राहत शिविरों में पहुंचाया जा रहा है। साथ ही लापता लोगों को तलाशने का काम युद्ध स्तर पर जारी है। हालांकि, तेज बारिश व विषम परिस्थितियों से राहत कार्य में बाधा पहुंच रही है।

भारत में हर सरकार और नागरिक विकास चाहते हैं। उसके लिए जो निर्माण–कार्य किए जाते हैं, वे बेलगाम और अनियोजित हैं। खनन तक ध्वंस से कराया जाता है। पहाड़ को काटते–तोड़ते रहेंगे, तो ऐसे 'प्रलय' कैसे रोके जा सकते हैं? इस पर सोचना चाहिए। देश के अन्य हिस्सों से भी बरसाती कहर के समाचार आ रहे हैं। बिहार हर वर्ष बाढ़ के कहर से सहम जाता है। वहां पर हर वर्ष बड़ी तादाद में जान और माल का नुकसान होता है। इस कहर से बिहार को बचाने के लिए इस वर्ष के बजट में विशेष आर्थिक सहायता दी गई है। अन्य राज्यों को भी उदारता के साथ विशेष आर्थिक सहायता दी जानी चाहिए। खासकर हिमाचल पिछले वर्ष भी बुरी तरह प्रभावित हुआ था, और इस वर्ष भी बरसात का कहर उसने देखा है। उसे केंद्रीय मदद की सख्त जरूरत है।

वायनाड की त्रासदी का बड़ा सबक यह है कि हमें प्राकृतिक संसाधनों के विवेकपूर्ण ढंग से इस्तेमाल के प्रति नये सिरे से प्रतिबद्ध होना होगा। लेकिन विडंबना यह है कि विगत के वर्षों में वायनाड में कई बार हुई भूस्खलन की घटनाओं को राज्य शासन ने गंभीरता से नहीं लिया है। यह अच्छी बात है कि सभी राजनीतिक दलों व केंद्र तथा राज्य सरकार ने आपदा के प्रभावों से मुकाबले में एकजुटता दिखायी है। ऐसे मामलों में राजनीति होना ठीक भी नहीं है।

खोया पाया शिविर में हजारों कावड़ भक्तों, बच्चों को एक दूसरे से मिलाया

संवाददाता–बस्ती। श्री भद्रेश्वरनाथ मंदिर में कावड़ यात्रियों की सुविधा के लिये समाचार पत्र वितरक जन कल्याण सेवा समिति द्वारा जय प्रकाश गोस्वामी के संयोजन में संचालित बिछडे, मिले, खोया पाया माध्यम शिविर द्वारा हजारों कांवड़ भक्तों और तेरस के दिन जलाभिषेक करने आये परिवारों को एक दूसरे से मिलाया गया। पिछले 33 वर्षो से यह सिलसिला अनवरत जारी है। जय प्रकाश गोस्वामी ने बताया कि शुक्रवार की मध्य रात्रि को मंदिर का कपाट खुलने के बाद कांवड़ भक्तों का रेला उमड़ पड़ा था और अनेक कांवड़ उठाने वाले एक दूसरे से बिछड़ गये, पूरी रात उन्हें एक दूसरे से मिलाने का सिलसिला देर शाम तक जारी रहा। समिति के संरक्षक डा. वीके वर्मा ने कहा कि खोया पाया शिविर की जरूरत हमेशा बनी रहेगी, पिछले 33 वर्षो से जय प्रकाश गोस्वामी द्वारा खोया पाया शिविर का अनवरत संचालन एक उपलब्धि है. बिछड़ों को मिलाना पुनीत कार्य है। मेला, पर्व, त्यौहारों पर खोया पाया शिविर के द्वारा जिस प्रकार से जय प्रकाश गोस्वामी और उनके साथी पूरी निष्ठा से सेवा देते हैं वह अनुकरणीय है। शिविर को संचालित करने में अनिल दूबे, ब्रम्हदेव यादव 'देवा', सिद्धार्थ शंकर मिश्र, बालकृष्ण उर्फ पिन्टू तिवारी, राम अधार पाल, विश्वनाथ जायसवाल, आर.डी. प्रेमी, अमित चौबे, डा. डी.के. गुप्ता, बी.डी. मिश्र, विनोद उपाध्याय, सूर्य प्रकाश शुक्ल, रविशंकर शुक्ल, अरविन्द सिंह, राजेश्वर तिवारी, अभिनव उपाध्याय, सी.ए. अजित चौधरी, मनमोहन श्रीवास्तव 'काजू', विनोद शुक्ल, सूर्यमणि पाण्डेय, सन्तोष पाल, अनूप खरे, मुकेश श्रीवास्तव, विजय प्रकाश गोस्वामी, सत्य प्रकाश सिंह, मुक्तेश्वर यादव, मनोज सिंह रानू सिद्धार्थ सिंह 'मोनू, महेन्द्र चौधरी, प्रभात सोनी, कुन्दन वर्मा, बब्लू तिवारी, कौशल पाण्डेय, हेमन्त कुमार मिश्र आदि ने योगदान दिया।

दिल्ली का गुस्सा लखनऊ में क्यों उतार रहे हैं– अखिलेश यादव

लखनऊ (आभा)। समाजवादी पार्टी (एसपी) के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश विधानसभा में गुरुवार को सीएम योगी आदित्यनाथ के उस बयान पर सवाल पूछा है जिसमें योगी ने कहा था कि उन्हें यहां से ज्यादा प्रतिष्ठा मठ में मिल जाती है। अखिलेश ने शुक्रवार को सोशल साइट एक्स पर एक ट्वीट के जरिए सवाल पूछा है कि दिल्ली का गुस्सा लखनऊ में क्यों उतारा जा रहा है। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के कुछ बड़े नेताओं की खींचतान पर तंज करते हुए सपा के मुखिया अखिलेश ने पूछा है– ष्सवाल ये है कि इनकी प्रतिष्ठा को ठेस किसने पहुंचाई? कह रहे हैं सामने वालों से, पर बता रहे हैं पीछे वालों को। कोई है पीछे?

लोकसभा चुनाव 2024 में यूपी से भाजपा की सीटें घटने और सपा से भी नीचे रहने के बाद भाजपा नेताओं के बीच रस्साकशी पर अखिलेश रह–रहकर मजे ले रहे हैं। कुछ समय पहले उन्होंने बिना नाम लिए डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य को 100 लाओ, सरकार बनाओ का ऑफर दिया था। विधानसभा में बुधवार को सपा नेता शिवपाल सिंह यादव ने भी सीएम योगी से कहा था कि आपके डिप्टी सीएम आपको गच्चा देंगे। योगी ने इससे पहले विपक्ष के नए नेता माता प्रसाद पांडेय को बधाई देते हुए शिवपाल पर तंज कसा था कि चाचा को गच्चा दे दिया गया। इस पर शिवपाल ने योगी से कहा था कि तीन साल आपके साथ रहे तो आपने भी गच्चा दिया।यूपी भाजपा की राजनीति में इस समय केशव प्रसाद मौर्य के बयान हलचल मचा रहे हैं।

सपा की मासिक बैठक में संगठन की मजबूती पर जोर

संवाददाता–बस्ती। समाजवादी पार्टी की मासिक बैठक शनिवार को पार्टी कार्यालय पर जिलाध्यक्ष एवं बस्ती सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में 5 अगस्त को वरिष्ठ नेता जनेश्वर मिश्र की जयन्ती, 10 अगस्त को वीरांगना फूलनदेवी की जयंती मनाये जाने की रूप रेखा पर विचार किया। इसी कड़ी में समाजवादी छात्र सभा द्वारा 9 अगस्त से सदस्यता अभियान चलाये जाने, छात्र, नौजवान, पीडीए जागरूकता अभियान आदि कार्यकमों पर विस्तार से चर्चा कर दायित्व सौंपे गये। बैठक को सम्बोधित करते हुये सपा जिलाध्यक्ष एवं बस्ती सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं का दायित्व है कि वे निरन्तर जनता के बीच बने रहें और उनकी समस्याओं के निराकरण का प्रयास करें। कहा कि समाजवादी पार्टी के नीति, कार्यकमों को जनता से जोड़ने के साथ ही दवाई, पढाई, विकास के मोर्चो पर अपने–अपने क्षेत्रों में निरन्तर संघर्ष को जारी रखने के साथ ही राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के मार्गदर्शन में पार्टी की मजबूती में जुट जाय। सपा की मासिक बैठक में विधायक राजेन्द्र चौधरी, कविन्द्र चौधरी 'अतुल', पूर्व विधायक राजमणि पाण्डेय, पूर्व मंत्री श्रीपति सिंह, वरिष्ठ नेता चन्द्र भूषण मिश्र, नीलू सिंह, महादेवा विधानसभाध्यक्ष राजेन्द्र चौधरी, जमील अहमद, मो. स्वालेह, समीर चौधरी आदि ने सम्बोधित किया।

वक्ताओं ने पार्टी की मजबूती के साथ ही समाजवादी विचारधारा से जन मानस को जोड़ने का आवाहन किया। बैठक में हर्रैया नगर पंचायत अध्यक्ष कौशलेन्द्र प्रताप सिंह, रूधौली नगर पंचायत अध्यक्ष धीरसेन निषाद, जावेद पिण्डारी, गीता भारती, मो. सलीम, अरविन्द सोनकर, आर.डी. गोस्वामी, तूफानी यादव, श्याम सुन्दर, अजय यादव, रहमान सिद्दीकी, अखिलेश यादव, रजवंत यादव, विपिन त्रिपाठी, गुलाम गौस, दयाशंकर मिश्र, शंकर यादव, रजनीश यादव, जहीर अंसारी, पंकज निषाद, राजू सिंह, जयराज यादव, प्रशान्त यादव, जोखूलाल, राजेन्द्र प्रसाद, गौरीशंकर, जर्सी यादव, पवन मोदनवाल, कल्लू, रामशंकर निराला, अशोक यादव, परशुराम के साथ ही सपा के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

हाकी में भारत ने आस्ट्रेलिया को 3–2 से पराजित किया

नई दिल्ली (आभा)। भारतीय हॉकी टीम का शुक्रवार को ऑस्ट्रेलिया से सामना हुआ। क्वार्टर फाइनल से पहले हरमनप्रीत सिंह की टीम ने ऑस्ट्रेलिया को 3–2 से हराया। इसी के साथ भारत ने क्वार्टर फाइनल से पहले जीत की पटरी पर वापसी कर ली है। दिलचस्प बात यह है कि भारत ने 52 साल बाद ओलंपिक के इतिहास में ऑस्ट्रेलिया को हराया है। इससे पहले 1972 में भारत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जीत दर्ज की थी।

शुक्रवार को खेले गए मुकाबले में अभिषेक ने पहले क्वार्टर के 12वें मिनट में गोल किया और भारत ने 1–0 से बढ़त बनाई। हरमनप्रीत सिंह ने पेनल्टी कॉर्नर में 13वें मिनट में गोल कर दिया। इसी के साथ भारत 2–0 से आगे हो गया। दूसरे क्वार्टर में ऑस्ट्रेलिया का खाता खुला। 25वें मिनट में क्रैग थॉमस ने गोल किया और टीम का स्कोर 2–1 हो गया। 26वें मिनट में भारत को पेनल्टी कॉर्नर मिला जिसे हरमनप्रीत सिंह ने बचाया। हाफ टाइम तक भारत 2–1 की बढ़त के साथ आगे था। तीसरे क्वार्टर में हरमनप्रीत सिंह ने 32वें मिनट में पेनल्टी स्ट्रोक में गोल किया। इसी के साथ भारत 3–1 से आगे हो गया। तीन क्वार्टर के बाद भारत ने 3–1 से ऑस्ट्रेलिया पर बढ़त बनाए रखी। चौथे क्वार्टर में ऑस्ट्रेलिया के लिए ब्लैक गोवर्स ने 55वें मिनट में गोल किया और ऑस्ट्रेलिया को 3–2 की बढ़त दिलाई। इसी के साथ भारत ने जीत दर्ज की और क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई।

विद्यार्थी विज्ञान मंथन की विवरणिका का विमोचन

संवाददाता–गोरखपुर। सरस्वती शिशु मंदिर (102) पक्कीबाग गोरखपुर में विज्ञान भारती द्वारा संचालित विद्यार्थी विज्ञान मंथन प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर विद्यार्थी विज्ञान मंथन की विवरणिका 2024 का विमोचन भी किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विज्ञान भारती के प्रांतीय अध्यक्ष डॉ योगेंद्र कोहली ने किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थी व विज्ञान शिक्षकों ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में अध्यक्ष डॉक्टर योगेंद्र कोहली ने कहा कि विद्यार्थी विज्ञान मंथन देश का सबसे बड़ा ऑनलाइन प्लेटफॉर्म है जो विद्यार्थियों को विज्ञान के क्षेत्र में कुछ नया करने का अवसर प्रदान करता है। विद्यार्थी विज्ञान मंथन के माध्यम से विद्यार्थी देश की सर्वोच्च वैज्ञानिक संस्थानों में यात्रा करने तथा अपनी प्रतिभा को दिखाने के लिए तैयार किए जाते हैं।

अधिवक्ता हत्याकाण्ड में सपा नेता समेत पांच गिरफ्तार

हरदोई (आभा)। हरदोई में अधिवक्ता हत्याकांड में पुलिस ने सपा के पूर्व जिलाध्यक्ष बीरेंद्र यादव उर्फ बीरे समेत पांच लोगों को गिरफ्तार कर लिया। गुरुवार देर रात पुलिस मुठभेड में एक शूटर को गोली लगी, जबकि बाकी को शुक्रवार सुबह उनके घरों से पकड़ा गया। प्रॉपर्टी को लेकर सुपारी देकर शूटरों से कत्ल कराया गया था। वरिष्ठ अधिवक्ता कनिष्क महरोत्रा की तीन दिन पहले हमलावरों ने घर में घुसकर हत्या कर दी थी। शुक्रवार को वारदात का खुलासा करते हुए एसपी नीरज जादौन ने बताया कि लखनऊ रोड पर सिनेमा चौराहे के पास कोठी खाली कराने के लिए हत्या कराई गई। उन्होंने बताया कि करीब 11 साल पहले बीरे यादव, सराय थोक पश्चिमी निवासी आदित्य भान सिंह, धर्मशाला रोड रफी अहमद चौराहा निवासी व्यापारी शिखर गुप्ता और लखनऊ रोड रामनगर कॉलोनी निवासी ठेकेदार नृपेंद्र त्रिपाठी ने मिलकर कोठी खरीदी थी। कनिष्क शुरू से ही इस मकान में रह रहे थे। बताया जा रहा है कि चारों पार्टनरों ने कोठी को खाली कराने का प्रयास किया। कई बार कनिष्क को डराया–धमकाया लेकिन सफल नहीं हुए। इस पर चारों ने अधिवक्ता को रास्ते से हटाने का प्लान बनाया। एसपी के मुताबिक चारों ने चार लाख रुपये में शूटर रामू महावत से डील की। रामू ने अपने साथी जोगीपुर मजरा तत्यौरा निवासी रामसेवक उर्फ लल्ला, राजवीर और झरोइया के नीरज के साथ मिलकर घटना को अंजाम देने की योजना बनाई। मुवक्किल के बहाने घर में घुसे और कनिष्क को गोली से उड़ा दिया।

एसपी ने बताया कि हत्यारों की गिरफ्तारी के लिए कई टीमें लगाई गई थीं। गुरुवार देर रात नीरज को मुठभेड के बाद धर–दबोचा। उसके पैर में गोली लगी है। बीरे, शिखर, आदित्यभान और नृपेंद्र को उनके घरों से गिरफ्तार किया गया है। हत्याकांड में शामिल बाकी दो शूटरों की तलाश में छापेमारी की जा रही है।

क्या राहुल गांधी को गिरफ्तार करेगी ईडी.!

नई दिल्ली (आभा)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को दावा किया कि संसद में उनके 'चक्रव्यूह' वाले भाषण के बाद प्रवर्तन निदेशालय ईडी के जरिए उनके खिलाफ छापेमारी की योजना बनाई जा रही है। राहुल ने कहा कि वह खुली बांहों के साथ ईडी अधिकारियों का इंतजार कर रहे हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में राहुल गांधी ने लिखा–जाहिर है, 2 में से 1 को मेरा चक्रव्यूह वाला भाषण अच्छा नहीं लगा। ईडी के अंदरूनी सूत्रों ने मुझे बताया है कि छापेमारी की तैयारी हो रही है। मैं ईडी का खुली बांहों से इंतजार कर रहा हूं। चाय और बिस्कुट मेरी तरफ से... इतना ही नहीं राहुल ने अपने इस पोस्ट में प्रवर्तन निदेशालय के आधिकारिक एक्स हैंडल को टैग भी किया है। राहुल के इस पोस्ट के बाद यह अटकलें लग रही हैं कि क्या राहुल गांधी के आवास पर प्रवर्तन निदेशालय छापेमारी करेगा। क्या राहुल गिरफ्तार भी हो सकते हैं।

सुप्रीम कोर्ट में एडवोकेट अनिल सिंह श्रीनेत बताते हैं कि 2019 की बात है, जब राज्यसभा में भाजपा के पास बहुमत नहीं था। इसके बाद भी मोदी सरकार ने पीएमएलए में बदलाव के लिए इसे धन विधेयक की तरह पेश किया था। दरअसल, धन विधेयक को राज्यसभा में पेश नहीं करना पड़ता है। इसे सीधे राष्ट्रपति की मंजूरी लेकर लोकसभा में पेश किया जाता है और जहां बहुमत से पास होने के बाद यह कानून बन जाता है। उस वक्त विपक्ष ने इस मामले पर बहुत हंगामा मचाया था। विपक्ष का कहना था कि पीएमएलए में मनी बिल जैसी कोई बात नहीं है।

जानबूझकर इसे मनी बिल के तहत लोकसभा से पारित कराया गया, ताकि केंद्र की सत्तारूढ़ भाजपा सरकार इसका इस्तेमाल सियासी दुश्मनी को साधने में करना चाहती है। जब यह मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा तो उसने भी संशोधन को सही ठहराया।

छात्र हत्याकाण्ड में दोषियों के गिरफ्तारी की मांग, एसपी कार्यालय पर प्रदर्शन

संवाददाता–देवरिया। छात्र हत्याकांड में अभियुक्तों की गिरफ्तारी नहीं होने पर आक्रोशित परिजन और ग्रामीणों ने शुक्रवार को एसपी कार्यालय पर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने बल प्रयोग कर कार्यालय से बाहर किया। इसके बाद परिजनों ने एसपी से मुलाकात कर गिरफ्तारी की मांग किया। भलुअनी थाना क्षेत्र के ग्राम पड़री गुर्राव निवासी आदर्श गुप्ता की हत्या बुधवार को चाकू से गोद कर दी गई थी। हत्याकांड के दो दिनों बाद भी अभियुक्तों की गिरफ्तारी नहीं हुई है। इससे परिजनों में आक्रोश है। नाराज परिजनों ने हत्यारों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर शुक्रवार को एसपी कार्यालय पहुंचे और हंगामा करते हुए प्रदर्शन करने लगे। यह देख पुलिस ने लाठी भांज कर प्रदर्शन कर रहे लोगों को परिसर से बाहर खदेड़ा। इसके बाद परिवार के सदस्य सपा नेता धर्मवीर गुप्ता के साथ एसपी से मुलाकात किया। एसपी से अभियुक्तों की गिरफ्तारी की मांग किया। उधर प्रदर्शनकारियों ने पुलिस द्वारा मारपीट करने का आरोप लगाया है।

आस्था के जल से नहां गये भोलेनाथ हर तरफ बोल बम के जयकारे

संवाददाता–बस्ती। श्रावण त्रयोदशी पर शिवभक्तों ने अपने आराध्य देव महादेव का आस्था के जल से अभिषेक किया। अयोध्या से पावन सरयू नदी का जल भरकर नंगे पांव पहुंचे करीब पांच लाख कांवड़ियों ने भदेश्वरनाथ मंदिर समेत तिलकपुर, कड़र, भारीनाथ, बरवा, देवरिया आदि अनेक शिव मंदिरों पर जलाभिषेक किया। मंदिर का कपाट खुलने के बाद मध्यरात्रि गुरुवार से शुरू हुआ जलाभिषेक का सिलसिला शुक्रवार को जारी रहा। कांवड़िए शिवभक्ति में सराबोर नजर आए। बोलबम के जयकारे से इलाके गूंज उठे।

शहर के राणा प्रताप तिराहे से मंदिर तक करीब पांच किलोमीटर की कतार में झूमते–गाते कांवड़ियों को देखकर श्रद्धालु निहाल हुए। डीजे की धुन पर थिरकते कांवड़िए शिवभक्ति में पूरी तरह सराबोर नजर आए। आसपास के इलाके में भक्ति की बही रसधार में लोग नहाए नजर आए। महादेव के दरबार में हाजिरी लगाई और जलाभिषेक करके मन्नतें मांगी। कांवड़ यात्रा में बस्ती समेत संतकबीरनगर, सिद्धार्थनगर, गोंडा, बलरामपुर, आबेडकरनगर से काफी संख्या में कांवड़िए शामिल हुए। गोरखपुर से भी कांवड़िए भदेश्वरनाथ में जलाभिषेक करने आए थे। आधी रात को बाबा भदेश्वरनाथ मंदिर का पट खुलते ही लाखो कांवड़ियों की लंबी कतार लग गई। कांवरियों के जलार्पण, भीड़ व कतार नियंत्रण, निगरानी के लिए पुलिस सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए गए थे। कांवरियों की सुविधा के लिए प्रशासन ने विशेष इंतजाम किए। रात से ही जलार्पण के लिए कांवरियों का तांता लगा रहा। चाक–चौबंद सुरक्षा के बीच शिवभक्तों ने भोलेनाथ को जलार्पण किया।पूरे कांवड़िया पथ में बोल बम और हर–हर महादेव के घोष की गूंज रही। केसरिया रंग के वस्त्र पहने कांवड़िया कांधे पर कांवर लेकर जयकारों के साथ चलते हुए पूरे वातावरण में श्रद्धा का रस घोलते रहे। पूरा मंदिर परिसर केसरियामय रहा। महिला–पुरुष और बच्चे सभी जलाभिषेक करने को तत्पर और उत्साहित दिखे।

लाखों की तादाद में उमड़ी भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस की ओर से सुरक्षा की तगड़ी व्यवस्था की गई थी। इस मौके पर एसपी गोपाल कृष्ण चौधरी स्वयं पल–पल की निगरानी करते रहे। परिसर में लगाए 50 सीसीटीवी व ड्रोन कैमरे से कंट्रोल रूम में सतत रूप से मजिस्ट्रेट और पुलिस अधिकारी तैनात रहे, ताकि किसी भी तरह की परेशानी को लेकर त्वरित कार्रवाई की जा सके।

गुरुवार की आधीरात से लेकर सुबह आठ बजे तक ही लगभग दो लाख से अधिक श्रद्धालु भक्तजनों के द्वारा मंदिर में जलाभिषेक कर पूजा–अर्चना की गई। यह सिलसिला दिनभर चलता रहा। सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम के साथ–साथ जिलाधिकारी रवीश गुप्ता, पुलिस अधीक्षक गोपालकृष्ण चौधरी, एडीएम प्रतिपाल चौहान, एएसपी ओपी सिंह, एसडीएम शत्रुहन पाठक, सीओ सिटी सत्येन्द्र भूषण तिवारी आदि अफसरों ने पहुंचकर पहले पूजा अर्चना की फिर स्थिति का जायजा लिया। श्रावण शिवरात्रि मेला को लेकर लगभग पांच सौ पुलिस बल की व्यवस्था के साथ–साथ दर्जन भर मजिस्ट्रेट व पुलिस अधिकारी शिफ्ट के अनुसार अपने निर्धारित ड्यूटी स्थल पर जमे रहे। गर्भ गृह में महिला पुलिस की अलग से शिफ्टवार तैनाती की गई थी। चिकित्सा दल की भी तैनाती रही। सावन के महीने में भगवान शिव पर जलार्पण करने की काफी पुरानी परंपरा है। खासकर सावन में महाशिवरात्रि के दिन भगवान शिव पर जल अर्पण करना काफी शुभ और शीघ्र मनोकामना पूर्ण होने को लेकर फलदायी वाला दिन माना जाता है। शिवालयों पर मेले जैसे दृश्य रहा और बड़ी संख्या में कावड़ियों ने खरीदारी भी किया।

राजस्व निरीक्षक को विजिलेंस की टीम ने 25 हजार की रिश्वत लेते किया गिरफ्तार

संवाददाता–बहराइच। मिहींपुरवा तहसील क्षेत्र में तैनात राजस्व निरीक्षक को शुक्रवार दोपहर में विजिलेंस टीम ने घूस लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद टीम उन्हें अपने साथ लेकर चली गई है। इससे राजस्व विभाग में हड़कंप मच गया है। शुक्रवार को तहसील में राजस्व विभाग की मीटिंग चल रही थी। इसी दौरान राजस्व निरीक्षक अशोक कुमार श्रीवास्तव के मोबाइल पर एक क्लाइंट का फोन आया। मीटिंग समाप्त होने के बाद राजस्व निरीक्षक अपने आवास चले गए। आवास पहुंचते ही वहां पर क्लाइंट ने राजस्व निरीक्षक को काम करवाने के लिए 25 हजार रूपये घूस दिया। घूस लेते ही अयोध्या विजिलेंस की टीम ने राजस्व निरीक्षक को गिरफ्तार कर लिया। संबंधित थाना क्षेत्र में सूचना देने के बाद विजिलेंस टीम राजस्व निरीक्षक को अपने साथ लेकर चली गई। मामले में तहसीलदार अंबिका चौधरी ने बताया कि राजस्व निरीक्षक मीटिंग के बाद घर गए इसके बाद अचानक क्या हुआ यह जानकारी नहीं है। हालांकि, कोतवाली नानपारा में विजिलेंस टीम राजस्व निरीक्षक से पूछताछ कर रही है।

संसद में राहुल पर हुई टिप्पणी से भड़के कांग्रेसी, फूंका पुतला

संवाददाता–महराजगंज। संसद में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर हुई टिप्पणी के विरोध में शुक्रवार को कांग्रेसी सड़क पर उतर गए। कांग्रेस किसान नेता राजू कुमार गुप्ता के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने निचलौल में प्रदर्शन करने के बाद भाजपा नेता अनुराग ठाकुर का पुतला फूंका। जमकर नारेबाजी करते हुए इस मामले में कार्रवाई की जरूरत जताई।

कार्यकर्ता निचलौल कैंप कार्यालय घोड़हवा से केंद्र सरकार के खिलाफ नारा लगाते हुए घोड़हवा चौराहे पर पहुंचे, जहां अनुराग ठाकुर का पुतला फूंका गया। कांग्रेस किसान नेता राजू कुमार गुप्ता ने कहा कि देश के सबसे बड़ी पंचायत संसद में सत्र के दौरान नेता प्रतिपक्ष व पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी के प्रति जिस भाषा का प्रयोग करके अपनी ओछी मानसिकता का परिचय दिया गया है, वह गलत है। सत्तापक्ष के नेताओं द्वारा विपक्ष के नेताओं के प्रति इस मानसिकता की घोर निंदा की जानी चाहिए। इस दौरान शिव शंकर पासवान जिला उपाध्यक्ष, राजाराम साहनी, जावेद अंसारी जोगिंदर भारती, कोमल भारती, सोनू, रेखा यादव, सुनीता, निर्मला आदि मौजूद रहे।

32 गांवों को नगर पालिका में मिलाने के लिए भाजपा नेता ने डीएम सौंपा ज्ञापन

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। 106 वर्ष पुरानी नगर पालिका टांडा का विस्तार करने की मांग ने जोर पकड़ लिया है। भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ के जिला संयोजक प्रदीप कुमार उर्फ शंकर गुप्ता ने डीएम को ज्ञापन देकर औद्योगिक नगरी टांडा की नगर पालिका के आसपास के 32 गांवों को सम्मिलित किए जाने की मांग की है। भाजपा नेता ने डीएम को दिए गए ज्ञापन में कहा कि 106 वर्ष पुरानी नगर पालिका परिषद टांडा का विस्तार न होने से आसपास के गांवों के लोगों की मंशा पूर्ण नहीं हो पा रही है।

उन्होंने कहा कि रसूलपुर खास, धौरहरा खास, आलमपुर, शेखपुरा, चिन्तौरा, रसूलपुर, मुबारकपुर, मांझा रसूलपुर एवं आदि गांवो को नगर पालिका में शामिल किए जाने से इन गांव के लोगों को विशेष सहुलियतें मिलने लगेंगी। मौके पर पूर्व सभासद रामप्यारे विश्वकर्मा, महामंत्री कासिम अंसारी एवं शत्रुघ्न सोनी प्रमुख रूप से साथ रहे।

अयोध्या से हजारों की संख्या में पहुंचे कांवड़िए, की पुष्प वर्षा

संवाददाता–बलरामपुर। सावन माह के तेरस के दिन अयोध्या धाम से सरयू का जल लेकर आए कावड़ियों का भव्य स्वागत किया गया। हजारों की संख्या में जैसे ही कावड़ियों का जत्था सादुल्लाह नगर के मुबारक मोड़ चौराहे पर पंहुचा तो हर–हर महादेव, बम–बम भोले के जयकारे से नगर गुंजायमान हो उठा और सादुल्ला नगर भोलेनाथ के रंग में रंग गया। जिसको लेकर नगर वासियों में अलग ही उत्साह देखने को मिला। नगर वासियों ने फूलों की वर्षा कर कांवड़ियों का स्वागत किया। कांवड़ उठाए कांवड़िए भोले बाबा की मस्ती में लीन दिखे। अयोध्या धाम से सरयू का जल भरकर पैदल यात्रा कर आए कावड़िए जब श्री सिद्धेश्वरनाथ मंदिर परिसर में पहुंचे तो श्री सिद्धेश्वर नाथ सेवा समिति के अध्यक्ष राधेश्याम गुप्ता, व्यापार संघ अध्यक्ष दीप चन्द जायसवाल के मार्गदर्शन में मंदिर के व्यवस्थापकों व सदस्यों ने कावड़ियों पर पुष्पवर्षा कर भव्य स्वागत किया। भक्तों का हुजूम मंदिर के द्वार पर उमड़ पड़ा। जहाँ उन्हें फूल माला व रोली चंदन लगाकर सम्मानित किया गया। बताते चलें कि कावड़ यात्रा को लेकर सुबह से ही मंदिर परिसर में विशेष तैयारियां की जा रही थीं। मंदिर को रंग–बिरंगी रोशनी और फूलों से सजाया गया था, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया था। कावड़ यात्रियों के स्वागत के लिए कई प्रकार की व्यवस्थाएं की गई थीं। श्रद्धालुओं को भोजन, नाश्ता, ठंडा पानी का वितरण किया गया। कावंरिया सघं के अध्यक्ष ने बताया कि यह आयोजन हर साल किया जाता है और यह श्रद्धालुओं की भक्ति और श्रद्धा का प्रतीक है। जिसमें क्षेत्र के सादुल्ला नगर, अहरौला, मद्दोभट्टा, रंकीबदलपुर, मीरपुर, अलाउद्दीनपुर, खारिक मासूमपुर, गूमा फातिमाजोत, कम्मरपुर, मुंडामाफी, जाफरपुर, रहमतपुर, धुसवा बाजार, रामपुर अरना, भुजैनिकभार आदि क्षेत्र के हजारों की संख्या में कांवड़िया भक्त शामिल होते हैं। गूमा फातिमा के प्रधान रमेश गुप्ता ने कहा यह गर्व की बात है कि हम सभी इन भक्तों की सेवा कर सकते हैं। इनका यहां आना हम सबके लिए किसी आशीर्वाद से कम नहीं है। समारोह के अंत में सभी कांवड़ियों ने भगवान श्री सिद्धेश्वर नाथ के दर्शन किए और अपनी यात्रा की सफलता के लिए प्रार्थना की। इस आयोजन ने न केवल कावड़ यात्रियों को ऊर्जा प्रदान हुई बल्कि स्थानीय लोगों में भी एकता और सहयोग की भावना को बढ़ावा भी मिला। कांवरियों का जत्था श्री सिद्धेश्वर नाथ मंदिर व क्षेत्र के शिव मंदिरो पर जलाभिषेक कर देश व परिवार की खुशहाली का आशीर्वाद मांगा। इस अवसर पर रमेश चंद तिवारी, विष्णु गुप्ता, दीपू जायसवाल, राम देव, जग प्रसाद गुप्ता, रमेश जायसवाल, राम बहोर वर्मा, रमेश गुप्ता, जवाहिर लाल, हनुमान शुक्ल, अरविद, गुलाब, किशन जायसवाल, अशोक गुप्ता, राम अवध, राहुल, अवधेश गुप्ता, संतोष कुमार व आशीष गुप्ता मौजूद रहे। सुरक्षा की दृष्टि से थाना प्रभारी रेहरा ओपी चौहान सहित अन्य महिला व पुरुष आरक्षी तैनात रहे। श्री सिद्धेश्वर नाथ सेवा समिति के अध्यक्ष राधेश्याम गुप्ता ने सभी बंधुओ का तन मन धन से सहयोग करने के लिए हृदय से आभार व्यक्त किया।

आशा व संगिनी से न लिया जाय हर घर जल योजना का कार्य

संवाददाता–श्रावस्ती। आशा व आशा संगिनी संघ की ओर से एसडीएम को ज्ञापन दिया गया। ज्ञापन के माध्यम से आशा व आशा संगिनियों से हर घर जल योजना का कार्य न लिए जाने की की मांग की।

आशा व आशा संगिनी संघ जिला महामंत्री उमा मिश्रा की अगुवाई में शुक्रवार को इकौना तहसील में काम कर रही आशा व आशा संगिनी कार्यकत्रियों ने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन इकौना एसडीएम ओम प्रकाश को ज्ञापन सौंपा। महामंत्री उमा मिश्रा ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की ओर से जो भी दिशा निर्देश हम सभी आशाओं को दिया जाता है। उसका निष्ठा पूर्वक पूरी तन्मयता के साथ पूरा करती हैं। ग्रामीण इलाकों व नगरीय क्षेत्र में गर्भवती महिलाओं को उनके घर से बुलाकर स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराई जाती है। प्रसव पीड़िताओं को एंबुलेंस की मदद से स्वास्थ्य केंद्र में पहुंचा कर प्रसव कराने का कार्य भी करती है व प्रसव के बाद जच्चा बच्चा को सुरक्षित पहुंचा कर कर स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराई जाती है। टीकाकरण क्षेत्र में स्वास्थ्य कार्यकर्ता अहम भूमिका निभाती हैं। विभागीय कार्यों से समय नहीं मिलता है। ऐसे में अन्य विभाग के कार्य कर पाना संभव नहीं है। इसलिए हर घर जल जीवन मिशन से हम आशाओं को दूर रखा जाए। हम सभी आशा बहनों का शोषण न किया जाए। इस मौके पर आईसीसी एडवोकेट दिलीप कुमार शर्मा, ब्लाक अध्यक्ष किरण वर्मा, मीरा देवी, सुशीला, पूनम शुक्ला, राधा चौहान, कुसमावती, गीता देवी, सुमन सिंह, रेखा मिश्रा, गौरी मिश्रा, तुलसी मिश्रा, संगीता श्रीवास्तव, कमलेश श्रीवास्तव आदि मौजूद रही।

डीएम ने औचक निरीक्षण के दौरान दो को किया पुलिस के हवाले

संवाददाता–बलरामपुर। डीएम ने जिले में संचालित विभिन्न विभाग के कार्यालय में दलालों के प्रवेश को रोकने के लिए शुक्रवार को अपने अभियान के तहत उपनिबंधक और डीआईओएस कार्यालय का गेट बंद कराकर औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने वहां पर मौजूद बाहरी व्यक्तियों से पूछताछ की। कार्यालय में आने का उचित कारण ना बता पाने पर दो बाहरी व्यक्ति विनोद कुमार , विशाल तिवारी को पुलिस के हवाले कर दिया।

डीएम पवन अग्रवाल ने सरकारी कार्यालयों को मध्यस्थतों दलालों से मुक्त रखने एवं सरकारी कार्यालयों में जनमानस को बेहतर माहौल प्रदान किए जाने के अभियान के तहत कार्यालय उपनिबंधक तथा डीआईओएस का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उप निबंधक कार्यालय में मौजूद बाहरी व्यक्तियों से पूछताछ की एवं कार्यालय में आने का उचित कारण ना बता पाने पर दो बाहरी व्यक्ति विनोद कुमार , विशाल तिवारी को पुलिस के हवाले कर दिया। उन्होंने उप निबंधक कार्यालय में रजिस्ट्री कराने आए जनमानस से वार्ता की एवं किसी प्रकार का टोकन अथवा पैसा तो नहीं मांगा जा रहा। इसकी जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कड़े निर्देश दिए कि किसी भी प्रकार की अवैध वसूली पर चाहे वह कर्मचारी हो या बाहरी व्यक्ति हो उसके खिलाफ कड़ी विधिक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने उपस्थिति पंजिका का अवलोकन करते हुए सभी पटलों के कार्यों का निरीक्षण किया एवं रजिस्ट्री, स्टांप फीस के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। उन्होंने सहायक निबंधक को निर्देश दिया कि कार्यालय को बाहरी व्यक्तियों एवं दलालों से मुक्त रखा जाए , कोई भी कर्मचारी बाहरी व्यक्तियों दलालों के साथ कोई भी संलिप्तता नहीं रखेगा। रजिस्ट्री के लिए आने वाले लोगों का कार्य नियमानुसार सुगमता एवं सुलभता के किया जाए। जनमानस की सुविधा के लिए स्टांप फीस के बारे में पूरी जानकारी का बैनर आदि लगवाए जाने साफ सफाई की समुचित व्यवस्था अभिलेख एवं पत्रावलियों का बेहतर ढंग से रखरखाव का निर्देश दिया।

डीएसओ कार्यालय का औचक निरीक्षण, कोई भी पत्रावली लंबित न रहने के निर्देश

डीआईओएस कार्यालय का औचक निरीक्षण के दौरान उन्होंने उपस्थिति पंजिका का अवलोकन एवं विभिन्न पटलो के कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने निर्देश दिया कि कोई भी पत्रावली लंबित न रहे सभी का प्राथमिकता के साथ निस्तारण किया जाना सुनिश्चित किया जाए। कार्यालय परिसर में समुचित साफ सफाई रखे जाने, रंग रोगन कराए जाने अभिलेख एवं पत्रावलियों के बेहतर रखरखाव का निर्देश दिया।

ढोंढरी व जमालीजोत पर बढ़ा कटान का खतरा

संवाददाता–बलरामपुर। जलस्तर बढ़ने के बाद राप्ती ने तेजी से कटान शुरू कर दी है। सदर तहसील के ढोंढरी व जमालीजोत गांव पर कटान का खतरा अधिक बढ़ गया है। पिछले वर्ष दो करोड़ की लागत से कटान को रोकने के लिए बनाया गया तटबंध लगातार नदी में समाता जा रहा है। नदी से गांव की दूरी मात्र 30 मीटर बची है। यदि कटान का यही हाल रहा तो दो दिनों में ढोंढरी एवं जमालीजोत गांव के दर्जनों घर नदी में समा जाएंगे। शुक्रवार को ढोंढरी व जमालीजोत गांव के दर्जनों लोगों ने सदर एसडीएम से मिलकर गांव को कटान से बचाने की गुहार लगाई है। राप्ती नदी तटवर्ती गांव पर हर साल कटान करके कहर बरपाती है। राप्ती के तट पर बसे गांव को हर साल कटान का दंश झेलना पड़ता है। सदर तहसील के एक दर्जन से अधिक गांव नदी के तट पर बसे हुए हैं। इन गांवों पर कटान का खतरा बढ़ा हुआ है। इस बार बरसात शुरू होते ही नदी ने तटवर्ती गांव के पास कटान शुरू कर दी है। पिछले एक सप्ताह से ढोंढरी, जमालीजोत, बेला, करमहना, टेंगनहिया मानकोट, बेलवा सुल्तानजोत गांव के पास नदी कटान कर रही है। दो दिन पहले जलस्तर बढ़ने के बाद नदी ने तेजी से कटान शुरू कर दी। ढोंढरी व जमालीजोत गांव पर कटान का खतरा बढ़ गया है। गांव से मात्र 30 मीटर की दूरी पर नदी कटान कर रही है। जमालीजोत गांव के लोग कटान को रोकने के लिए नदी ने झाड़ी झंखार डाल रहे हैं। ढोंढरी गांव के पास कटान को रोकने के लिए बनाया गया तटबंध दो दिनों से नदी में समा रहा है। लगातार हो रहे कटान को रोकने के लिए ग्रामीणों ने कई बार उच्चाधिकारियों से गुहार लगाई, लेकिन बाढ़ खंड के अधिकारियों पर कोई असर नहीं हुआ। ग्रामीणों की मानें तो कटान को रोकने के लिए प्रशासन की ओर से अब तक कोई उपाय शुरू नहीं किया गया है। शुक्रवार ढोंढरी के ग्रामीणों ने सदर एसडीएम से मिलकर कटान को रोकने की गुहार लगाई। सदर एसडीएम ने बाढ़ खंड के जिम्मेदारों से वार्ता कर कटान रोधी कार्य शुरू कराए जाने का आश्वासन दिया है। ढोंढरी गांव के पास पिछले वर्ष दो करोड़ की लागत से तटबंध बाढ़ खंड ने बनाया था। ग्रामीणों का आरोप है कि मानक विहीन तटबंध बनाए जाने से कटान को रोक पाने में बाढ़ खंड असफल रहा। इस बार जलस्तर बढ़ने के बाद से नदी ने तटबंध पर तेजी से कटान शुरू कर दी है। तटबंध का लगभग आधा हिस्सा नदी में समा गया है।

नई नजूल नीति से अयोध्यावासी बेचैन, लोगों ने फ्री होल्ड के लिए रुपए जमा कर पा लिया था जमीन पर कब्जा

संवाददाता–अयोध्या। प्रदेश सरकार की ओर से एक दिन पहले पारित नजूल 2024 से सम्बन्धित विधेयक से अयोध्या वासियों में बेचैनी हैं। इनमें अधिकांश वह लोग शामिल हैं जिन्होंने कल्याण सरकार की फ्री होल्ड नीति के तहत नजूल के पट्टे द्वारों को पर्याप्त धनराशि देकर स्वयं अथवा परिवार के सदस्यों को नामित कराया था। इन लोगों ने नीति के अनुसार प्रश्नगत जमीन के एवज में एक चौथाई धनराशि सरकारी कोष में जमा करा कर जमीन पर कब्जा प्राप्त किया। यहीं नहीं जमीन पर आवास या वाणिज्यिक काम्प्लेक्स खड़ा कर लिया लेकिन उनकी जमीन फ्री होल्ड नहीं हो पाई।

इन्हें उम्मीद थी कि प्रदेश सरकार दोबारा फ्री होल्ड नीति घोषित करेगी लेकिन विधेयक में फ्री होल्ड के बजाय

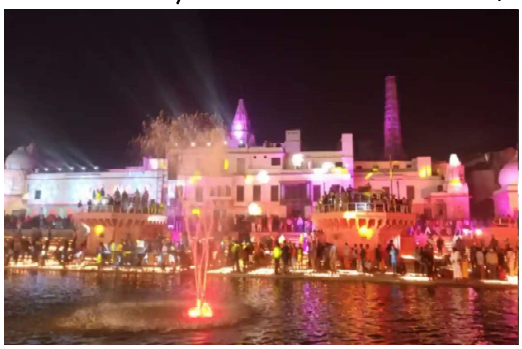

लीगल पट्टे के नवीनीकरण की व्यवस्था दी गई जबकि वास्तविकता यह है कि लीगल पट्टेदार मुठ्ठी भर भी नहीं होंगे। उसका सबसे बड़ा कारण है कि अधिकांश पुराने पट्टेदारों का कृषि पट्टा था जिसकी अवधि दस वर्ष थी। अवधि समाप्त होने के बाद गिनती के लोगों ने नवीनीकरण कराया। बाकी के परिजन पट्टे की भूमि पर काबिज रहे। कल्याण सरकार की फ्री होल्ड नीति में अधिकांश कृषि पट्टों की भूमि को ही आवासीय उद्देश्य से फ्री होल्ड कराया गया है लेकिन आरम्भिक दिनों में अधिकतम जमीनें फ्री होल्ड के तहत रजिस्ट्री की गई जबकि बाद में एक–एक पत्रावली पर शासन की अनुमति के बाद ही फ्री होल्ड की कार्यवाही शुरू हुई। इसके कारण अधिकांश लोग फंस गये।

नजूल भूमि पर बसे सैकड़ों परिवार पहले ही अलग–अलग योजनाओं की भेंट चढ़ चुके हैं। पंचकोसी परिक्रमा मार्ग पर ब्रह्मकुंड गुरुद्वारा के निकट दर्जनों परिवारों को बेदखल होना पड़ा। कजियाना मोहल्ले में मुख्यमंत्री आवास योजना में भी दर्जनों परिवारों को बेदखल होना पड़ा था। वह भी तब जबइन परिवारों के सदस्यों ने नजूल भूमि के फ्री होल्ड के लिए एक चौथाई धनराशि जमा कर जमीन पर कब्जा लिया था लेकिन उनकी पत्रावली को शासन की मंजूरी नहीं मिल पाई। यही हाल अन्य मोहल्लों में भी है। अब इन लोगों के सामने सबसे बड़ा संकट यह है कि यदि अब उजड़े तो आशियाना कहां बसाएंगे।

जिला प्रशासन ने कुछ महीने पहले ही पंचकोसी परिक्रमा मार्ग पर गायत्री भवन के पीछे नजूल भूमि पर आवासीय योजना के लिए कब्जा वापस ले लिया। यह भूमि उदासीन संगत ऋषि आश्रम रानोपाली के अधिकार में थी जिसे कुछ काश्तकारों ने ले रखा था।

इसी तरह से दो साल पहले सदगुरु सदन गोलाघाट की भूमि पर भी जिला प्रशासन ने कब्जा ले लिया था जो कि ब्रह्म कुंड गुरुद्वारा से सटी हुई थी। इस भूमि पर ही अयोध्या विकास प्राधिकरण ने टेंट सिटी का निर्माण अहमदाबाद की एक प्राइवेट एजेंसी से कराया है।

इस एजेंसी को दस वर्ष के अनुबंध पर जमीन दी गयी है।

मैं यहां नौकरी करने नहीं आया, प्रतिष्ठा तो यहां से ज्यादा मठ में मिल जाती है- योगी आदित्यनाथ

लखनऊ (आभा)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार को विधानसभा में सवालों का जवाब देते हुए बेहद आक्रोशित हो गए। उन्होंने यहां तक कह दिया कि यहां पर नौकरी करने के लिए नहीं आया हूं। सवाल प्रतिष्ठा का भी नहीं है। प्रतिष्ठा तो यहां से ज्यादा मठ में ही मिल जाती है। कहा कि जो भी अव्यवस्था फैलाने का काम करेगा उसे भुगतना ही होगा। इसके साथ ही कहा कि यह सरकार चलेगी और पूरी मजबूती के साथ चलेगी। ओबीसी और एससी–एसटी के आरक्षण को लेकर भी सपा पर करारा हमला बोला।

सीएम योगी ने नेता विरोधी दल के सवालों के जवाब में कहा कि आप लोगों को बुलडोजर से भी डर लगता है लेकिन यह निर्दोष के लिए नहीं है। यह उन अपराधियों के लिए हैं जो व्यापारी और बेटी की सुरक्षा में सेंध लगाने का काम करते हैं। योगी ने कहा कि मैं यहां नौकरी करने नहीं आया हूं, जो करेगा वह भुगतेगा। इस इस तरह से गुमराह करने वाले तथ्यों को लेकर आप लोग घूमते हैं। इस तरह की बातों को फैलाते हैं। लोकसभा चुनाव में सपा को मिली जीत की ओर इशारा करते हुए कहा कि काठ की हांडी बार बार नहीं चढ़ने वाली है। अब समय पूरा हो गया है। हम लोग जो भी योजना बनाते हैं, धरती पर पांव रखकर बनाते हैं। सपा या कांग्रेस को किसी को गलतफहमी नहीं होनी चाहिए।

योगी ने कहा कि यह सरकार चलेगी और पूरी मजबूती के साथ चलेगी। प्रदेश के अंदर खिलवाड़ करने की किसी को जरूरत नहीं होगी। सीएम योगी ने लखनऊ के गोमती नगर की घटना को लेकर भी सपा पर निशाना साधा। तंज कसते हुए कहा कि अव्यवस्था फैलाने वालों की सूची हमारे पास आई है। पहला अपराधी पवन यादव और दूसरा मोहम्मद अरबाज है। यह सद्भावना वाले लोग हैं। इनके लिए सद्भावना नहीं बुलेट ट्रेन चलेगी। महिला सुरक्षा हमारे लिए सर्वोच्च महत्व रखता है। जो खिलवाड़ करेगा खामियाजा भुगतेगा। हमने एक एक बहन बेटी को आश्वस्त किया है। इसलिए ही घटना को गंभीरता से लिया है। पूरी चौकी पर कार्रवाई की गई है। थानेदार से लेकर अधिकारियों को हटाया गया है और सस्पेंड किया गया है। सभी को सम्मान देंगे लेकिन किसी ने अव्यवस्था पैदा करने की कोशिश की तो परिणाम भुगतना ही होगा।

योगी ने कहा कि सपा के समय ओबीसी को 27 फीसदी भी आरक्षण नहीं मिला है। अखिलेश–शिवपाल पर निशाना साधते हुए कहा कि भतीजा और चाचा की जोड़ी वसूली के लिए निकली थी। लेखपालों की तैनाती भी उसी आधार पर हुई थी। आज पांच लाख लेखपालों की नियुक्ति हुई है। कोई आरोप नहीं लगा सकता है। हमारी सरकार में एससी, एसटी और ओबीसी में 60 फीसदी नियुक्तियां की गई हैं। हमने सुनिश्चित किया है कि प्रदेश में किसी नौजवान के साथ धोखा नहीं होना चाहिए। अगर धोखा हुआ तो उसी दिन नौकरी लेने का काम हम लोग करेंगे। उसे जेल के अंदर निर्ममता से ठूंसने में भी हम लोगों कोताही नहीं बरतते हैं।

संविधान के प्रदत्त मूल अधिकारों की जानकारी दी गई

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। जलालपुर विकास खंडके गुवापाकड़ ग्राम पंचायत भवन पर जन शिक्षण केन्द्र कुटियवा एवं वी द पीपुल अभियान के संयुक्त तत्वावधान में संविधान से समाधान पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इसमें भस्मा व गुवापाकड़ की तीस किशोरियों ने प्रतिभाग किया। प्रशिक्षण की शुरुआत मेरे भारत का संविधान सारी दुनिया से न्यारा है के गीत के साथ शुरू किया गया। प्रशिक्षण शिविर में संविधान द्वारा प्रदत्त मूल अधिकार, नीति निदेशक तत्व के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई। सहजकर्ता प्रवीन व पुष्पा पाल ने प्रशिणार्थियों को संविधान के लिखने के समय से संविधान के संशोधन तक कि प्रक्रिया के बारे में बताया कि कैसे हम संविधान के जरिये अपनी समस्याओं का समाधान कर सकते हैं। अपनी चुनौतियों का सामना करते हुए संवैधानित दायरे में रहकर उसका समाधान कर सकते हैं। प्रशिक्षण के दौरान संवाद स्थापित करने के लिए डाक्यूमेंट्री फिल्म, क्विज प्रस्तुतीकरण, खेल आदि के माध्यम से सिखाने का प्रयास किया गया। समता, समानता, स्वतंत्रता, न्याय और बंधुत्व के बारे में विस्तार से वार्ता की गई। संविधान की प्रस्तावना, उद्देशिका के बारे में बिन्दुवार चर्चा की गई। प्रशिक्षण के उपरान्त प्रतिभागियों को सिटीजन चैंपियन सर्टीफिकेट प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जन शिक्षण केन्द्र से राम स्वरूप, हेमलता, सिद्धार्थ सिंह, पुनीता, रामहित, किशोरी, समूह व नारी संघ की मांडवी, नैना, गरिमा, राधा, करिश्मा, गीता, उर्मिला आदि मौजूद रहीं।

सोलर रूफ टाप लगवाने वाले स्थानीय निकायों को प्रोत्साहन राशि

संवाददाता–अयोध्या। पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का लाभ ग्रामीण इलाकों में जल्दी पहुंचाने के लिए अब ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग की अहम भूमिका निभाएगा। ग्रामीण आबादी में सोलर रूफ टॉप लगवाने के लिए प्रोत्साहित करने पर पंचायतीराज संस्थाओं को एक हजार रुपए प्रति घर प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। मतलब यह कि सोलर रूफ टॉप लगवाने वाली पंचायती राज संस्थाएं भी योजना से लाभान्वित होंगी। विभाग ने सभी जिला परिषदों को इस बारे में पत्र जारी किया है। स्थानीय निकायों के लिए प्रोत्साहन घटक शहरी स्थानीय निकायों (नगर निगम, नगर परिषद, नगर पंचायत और आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय द्वारा मान्यता प्राप्त किसी भी अन्य शहरी स्थानीय निकाय) और पंचायती राज संस्थान (ग्राम पंचायत) को प्रोत्साहन प्रदान करेगा।

पंचायतीराज संस्थाओं को एक हजार रुपए प्रति घर प्रोत्साहन राशि मिलेगी। निर्देशों में कहा गया है कि फरवरी में शुरु हुई पीएम सूर्य घर के तहत एक करोड घरों को 300 मासिक यूनिट तक मुफ्त बिजली प्रदान करने के लिए रूफ टॉप सौर ऊर्जा स्थापित किया जाना है। पंचायतीराज संस्थाओं को इस योजना में एक हजार रुपए की राशि प्रति घर के हिसाब से प्रोत्साहन राशि के रुप में उपलब्ध कराई जाएगी। लिहाजा पंचायतीराज संस्थाओं को योजना के संबंध में ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को प्रोत्साहित करना होगा। प्रोत्साहन राशि से ग्राम पंचायतों की आय बढ़ेगी। योजना में प्रोत्साहन राशि ग्राम पंचायतों के खाते में जाएगी। यदि ग्राम पंचायत सौ घरों में भी प्रोत्साहित करती है, तो उसके खाते में एक लाख रुपए पहुंचेंगे। ज्यादा घरों से यह राशि और ज्यादा होगी तो इस राशि का उपयोग ग्राम पंचायतों के विकास कार्यो में उपयोग किया जा सकेगा।

पूर्व मंत्री हरिशंकर तिवारी की प्रतिमा के लिए बन रहा चबूतरा तोड़ गया, गरमाई राजनीति

संवाददाता– गोरखपुर। पूर्व मंत्री स्व. हरिशंकर तिवारी की जयंती पर उनके पैतृक गांव टांड़ा में प्रतिमा स्थापित करने के लिए बन रहे चबूतरे को प्रशासन ने ध्वस्त करा दिया। ग्राम पंचायत की भूमि पर बिना अनुमति निर्माण की शिकायत पर प्रशासन की तरफ से यह कार्रवाई की गई। कार्रवाई को लेकर पुलिस–प्रशासन और ग्रामीणों के बीच कहासुनी भी हुई। पूर्व मंत्री के पुत्र पूर्व विधायक विनय शंकर तिवारी ने नाराजगी जताते हुए इसे राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता से की गई कार्रवाई बताया है। उन्होंने कहा कि कानून के दायरे में रहकर इसका जवाब दिया जाएगा। समय आने पर चिल्ल्लूपार और देश–प्रदेश की जनता भी इसका जवाब देगी। उधर, चिल्ल्लूपार से भाजपा विधायक राजेश त्रिपाठी ने पूर्व विधायक विनय शंकर तिवारी पर ओछी राजनीति करने का आरोप लगाया।

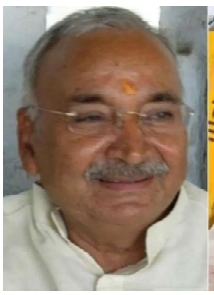

जानकारी के अनुसार टांड़ा गांव में ग्राम पंचायत निधि के जरिए नवीन परती की भूमि पर पूर्व मंत्री की प्रतिमा स्थापित करने का निर्णय प्रस्ताव पारित करके लिया गया। इसके लिए एक पत्रक भी एसडीएम गोला को सौंपा गया था, लेकिन तहसील प्रशासन की ओर से लिखित अनुमति नहीं मिली। अनुमति न मिलने के बाद भी ग्राम पंचायत की जमीन पर चबूतरा का निर्माण शुरू करा दिया गया। पूर्व मंत्री की जयंती पर 5 अगस्त को प्रतिमा स्थापना की तैयारी थी।

इस मामले में बीते 21 जुलाई को गांव के ही डॉ. राजा वशिष्ठ त्रिपाठी ने एसडीएम गोला को एक पत्र देकर सार्वजनिक भूमि पर प्रतिमा लगाने पर आपत्ति जताते हुए कार्रवाई की मांग की। उन्होंने पत्र की कापी मुख्य सचिव, कमिश्नर और डीएम, एसएसपी, सीओ गोला के साथ प्रभारी निरीक्षक बड़हलगंज को भी भेजी।

बुधवार को चबूतरा का निर्माण अंतिम चरण में था तभी पुलिस ने बिना अनुमति के काम न कराने को कहा। इसके बाद एडीएम गोला, तहसीलदार सहित अन्य अधिकारी बुलडोजर लेकर मौके पर पहुंच गए। मौके पर उपस्थित लोगों ने विरोध किया लेकिन प्रशासन ने इसे अवैध करार देते हुए निर्माणा को ध्वस्त करा दिया।

इस संबंध में ग्राम प्रधान दयाशंकर तिवारी का कहना है कि ग्राम पंचायत ने नवीन परती भूमि पर सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर प्रतिमा लगाने का निर्णय लिया था। गांव के लोगों की ओर से एसडीएम को पत्र भी दिया गया था। एसडीएम ने मौखिक अनुमति प्रदान कर दी थी। इसलिए निर्माण कार्य कराया जा रहा था।

वहीं एसडीएम गोला राजू कुमार का कहना है कि शासनादेश में स्पष्ट निर्देश है कि ग्राम पंचायत की भूमि में कोई मूर्ति स्थापित करने के लिए अनुमति ली जानी चाहिए। लेकिन इस संबंध में कोई अनुमति नहीं दी गई थी। इसकी शिकायत प्राप्त हुई थी। जब जांच कराई तो मामला सही पाया गया। इसके बाद कार्रवाई की गई।

पूर्व मंत्री हरिशंकर तिवारी के बेटे और पूर्व विधायक विनय शंकर तिवारी ने कहा कि यह राजनीतिक अराजकता की पराकाष्ठा है। सहयोगी और समर्थक धैर्य बनाए रखें। कानून व्यवस्था की परिधि और मर्यादा में रहकर इसका जवाब दिया जाएगा। समय आने पर इसका निर्णय चिल्लूपार की जनता के साथ ही देश और प्रदेश की जनता भी करेगी। वहीं चिल्ल्लूपार सीट से बीजेपी विधायक राजेश त्रिपाठी ने कहा कि यह मामला पूर्व विधायक के पट्टीदार और समर्थक के बीच का है। अपने राजनैतिक वजूद को खत्म होते देखकर पूर्व विधायक अपने पिता की प्रतिमा का सहारा लेकर इस प्रकरण को मुझसे और सरकार से जोड़कर ओछी राजनीति पर उतर आए हैं।

स्कूल संचालक हत्याकांड का आरोपी सफाईकर्मी निलंबित

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले के कोतवाली क्षेत्र के महुई में स्कूल संचालक की हुई हत्या के मामले में सभी छह आरोपी जेल में निरुद्ध है। इस मामले में पुलिस आरोपियों के खिलाफ जल्द चार्जशीट कोर्ट में दाखिल करने की तैयारी में जुट गई है। इधर डीपीआरओ ने जेल में निरुद्ध हत्यारोपी सफाई कर्मी पन्नेलाल उर्फ फुन्नेलाल को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। कोतवाली क्षेत्र के महुई गांव निवासी स्कूल संचालक धर्मेंद्र यादव और फौजी बोधनाथ यादव के परिवार के बीच जमीन संबंधी विवाद चल रहा है। उसी विवाद में आठ जून को स्कूल संचालक धर्मेंद्र यादव की गोली मार कर हत्या कर दी गई थी। जबकि तलवार से किए गए हमले में पीड़ित परिवार के चार लोग घायल हो गए थे। इस मामले में पीड़ित पत्नी सुमन यादव ने आरोपी फौजी भाई बोधनाथ यादव, फौजी इंद्रजीत यादव, गोरखनाथ यादव, शेषनाथ यादव, बोधनाथ यादव की पत्नी और उनके रिश्तेदार पन्नेलाल यादव के खिलाफ बलवा, हत्या, हत्या के प्रयास, जानमाल की धमकी आदि धाराओं में केस दर्ज कराया था। पुलिस ने घटना के 24 घंटे के भीतर ही आरोपी बनाए गए भाकियू के तहसील अध्यक्ष गोरखनाथ यादव और उनके भाई शेषनाथ यादव को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। जबकि घटना के 15 दिन बाद आरोपी दोनों फौजी भाई बोधनाथ यादव और इंद्रजीत यादव को एसपी की गठित टीम जम्मू और असम से गिरफ्तार कर जिले में ले आई और फिर जेल भेज दिया था। जबकि आरोपी सफाईकर्मी पन्नेलाल यादव निवासी बेल्डुहा थाना महुली ने कोर्ट में सरेंडर किया था। करीब एक सप्ताह पूर्व हत्यारोपी सत्या यादव पत्नी बोधनाथ यादव ने भी कोर्ट में सरेंडर कर दिया था। कोतवाल सतीश सिंह ने बताया कि हत्याकांड के सभी छह आरोपी जेल जा चुके हैं। इस मामले में आरोपियों पर चार्जशीट कोर्ट में दाखिल किए जाने की तैयारी की जा रही है। डीपीआरओ राजेश कुमार ने बताया कि सहायक विकास अधिकारी पंचायत नाथनगर ने 29 जुलाई 2024 को रिपोर्ट दिया कि ग्राम पंचायत परसा उर्फ फिदाईपुर के राजस्व गांव महुआपार में तैनात सफाई कर्मी पन्नेलाल उर्फ फुन्नेलाल मारपीट और हत्या के मामले में अभियुक्त है, जो पांच जुलाई 2024 से जिला कारागार संतकबीरनगर में निरुद्ध है। उसी के क्रम में सफाई कर्मी पन्नेलाल उर्फ फुन्नेलाल को तत्काल प्रभाव से एक अगस्त को निलंबित कर दिया गया।

संसद भवन में टपकने लगा पानी, विपक्ष ने उठाये सवाल

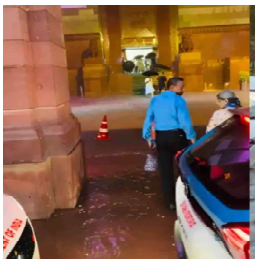

नई दिल्ली (आभा)। भारी बारिश की वजह से राजधानी दिल्ली में सैलाब देखने को मिला। नए संसद भवन की लॉबी में भारी बारिश के कारण पानी का रिसाव देखा गया। इस तरह की परिस्थिति के चलते प्रतिष्ठित इमारत की संरचनात्मक मजबूती और डिजाइन को लेकर एक बार फिर से सवाल खड़े हो गए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, बुधवार को हुई बारिश के दौरान नए भवन के परिसर में जलभराव देखा गया। विशेषकर मकर द्वार के पास जलभराव की स्थिति गंभीर थी। इस घटना से जुड़े वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गए, जिसके बाद से कई सवाल उठने लगे हैं।

हालांकि, इस मसले पर जवाब देते हुए लोकसभा सचिवालय ने कहा कि ग्रीन पार्लियामेंट के कॉन्सेप्ट के तहत भवन के कई हिस्सों में विशेषकर लॉबी में कांच के गुंबद का ढांचा तैयार किया गया है ताकि प्राकृतिक रोशनी का अधिकतम उपयोग हो सके। हालांकि, बुधवार की भारी बारिश के दौरान इन कांच के गुंबदों को चिपकाने वाले पदार्थों की टेपिंग कमजोर हो गई। जिससे लॉबी में पानी का रिसाव हुआ। अधिकारियों ने इस घटना को मामूली बताते हुए कहा कि समस्या का समय पर पता चला और तुरंत सुधारात्मक उपाय किए गए।

यह पहली बार नहीं है जब नई संसद भवन को लेकर विवाद खड़ा हुआ है। इमारत की निर्माण प्रक्रिया से लेकर उद्घाटन तक कई मुद्दों को लेकर विपक्ष सरकार पर सवाल उठाता रहा है।

इस घटना ने एक बार फिर नए संसद भवन की गुणवत्ता और निर्माण में उपयोग की गई सामग्रियों की प्रामाणिकता पर सवाल खड़ा कर दिया है। हालांकि, अधिकारियों ने यह दावा किया है कि इस घटना से भविष्य में कोई असुविधा नहीं होगी।

झूलनोत्सव पर फूल बंगले में विराजे युगल सरकार

संवाददाता–अयोध्या। श्रीराम कोर्ट रामलला दर्शन मार्ग स्थित रंग महल में आषाढ़ पूर्णिमा से ही झूलनोत्सव प्रारंभ हो गया है और पूरे सावन भर प्रति दिन उत्सव मनाया जाता है, लेकिन श्रावण मास के दोनों पक्ष की एकादशी पर भगवान के झूले का अनेक प्रकार के फूलों से सजाकर गायन–वादन और नृत्य की त्रिवेणी घंटों बहती है। बुधवार की शाम एकादशी को भगवान राम और माता सीता के झूले को फूलों से सजाया कर उत्सव को भव्य रूप से मनाया गया।रंग महल मंदिर के महंत राम शरण दास महाराज ने कहा कि रंग महल को माता कौशल्या ने भगवान श्रीराम के विवाह के बाद सीता सहित चारो बहुओं को मुंह दिखाई में दिया था। मंदिर के गर्भगृह में भगवान श्रीराम, लखन, भरत और शत्रुघ्न के अलावा इन चारों भगवान की बहुओं में श्री सीता, उर्मिला,मांडवी और श्रुतिकीर्ति भी विराजमान हैं। इन सभी को चार अलग–अलग झूलों में विराजमान कर हर झूलन को सुगंधित फूलों से सजाया जाता है। उन्होंने बताया कि सावन के दूसरे अर्थात शुक्ल पक्ष की एकादशी को रंग महल में गलबहियां की झांकी होती है।इस अदभुद झांकी में रसिक भाव के अनुसार भगवान श्रीराम और श्रीसीता के हाथ एक दूसरे के कंधे होते हैं। इस झांकी का दर्शन बहुत ही कल्याणकारी होता है। इसका दर्शन करने अयोध्या के संत–महंत सहित दूर से श्रद्धालु आते हैं। इस अवसर पर शुरू के साधक ने अपनी साधना का कौशल दिखाते हुए ठाकुर जी को मधुर गीत सुनाए उसमें प्रमुख...झूलन पर सज कर मेरे सरकार आए हैं और करे क्या आप से परदा आदि भजन पेश किया।

झूलनोत्सव में चक्रवर्ती सम्राट दशरथ राजमहल बड़ा स्थान के महंत विंदुग्द्याचार्य स्वामी देवेन्द्रप्रसादाचार्य, उदासीन आश्रम के महंत भरत दास, रंगवाटिका के महंत हरिसिद्ध शरण, हनुमत सदन के महंत अवध किशोर शरण, हनुमानगढ़ी के जुड़े महंत रामकुमार दास, रामकचेहरी चारो धाम के महंत शशिकांत दास आदि बड़ी संख्या में संतों ने झांकी का दर्शन किया।

आए हुए संतों का सत्कार मुख्य पुजारी साकेत दास महाराज ने किया।

पटेल हास्पिटल गोटवा में कांवड़ भक्तों को दिया निःशुल्क चिकित्सा सेवा

संवाददाता–बस्ती। पटेल एस. एम.एच. हास्पिटल एण्ड पैरा मेडिकल कालेज गोटवा द्वारा कांवड़ भक्तों को 24 घंटे निःशुल्क स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराया जा रहा है। कांवड़ यात्रा चलने तक यह सुविधा जारी रहेगी। गुरूवार तक 700 से अधिक कांवरियां भक्तों का उपचार किया गया।

यह जानकारी देते हुये संस्थान के प्रबंधक डा. वी.के. वर्मा ने बताया कि कई वर्षो से हास्पिटल की ओर से यह सेवा उपलब्ध करायी जा रही है। उन्होने स्वयं चिकित्सकों की टीम के साथ कांवरियों की सेवा के साथ ही निःशुल्क औषधि उपलब्ध कराया।

डा. वी.के. वर्मा ने बताया कि डा. आर.एन. चौधरी, डा. चन्दा सिंह, डा. आलोक रंजन, डा. मनोज मिश्र, डा. अतुल श्रीवास्तव, डा. लालजी यादव, डा. रीतेश कुमार, श्रवन कुमार, डा. फरहाना बानो, के साथ ही स्वास्थ्य कर्मियों में शिवशंकर, सविता श्रीवास्तव, उत्कर्ष दूबे, माया, पूजा, कविता, मनीषा, शालू, गोल्डी, रजिया, मनोज, विशाल, राम अजोर, जग प्रसाद के साथ ही फार्मासिस्ट, जे.एन..एम. के छात्र–छात्राओं ने कांवरियां भक्तों को निःशुल्क चिकित्सा सेवा उपलब्ध कराया।

बताया कि कांवरियों भक्तों की निःशुल्क चिकित्सा सेवा के लिये डाक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों की तैनाती कांवड़ यात्रा चलने तक जारी रहेगी।

मेडिकल कालेज में एसडीएम और सीओ ने की छापेमारी, मचा हड़कंप

संवाददाता–देवरिया। एसडीएम और सीओ ने गुरुवार को मेडिकल कालेज में छापेमारी की। इस दौरान मेडिकल कालेज में अनाधिकृत रूप से मिले आधा दर्जन युवकों को हिरासत में लेकर कोतवाली भेजवा दिया गया। एसडीएम ने सभी के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने का निर्देश दिया है। छापेमारी की कार्रवाई के दौरान मेडिकल कालेज में हड़कंप मचा रहा।

जिलाधिकारी दिव्या मित्तल के निर्देश पर गुरुवार को एसडीएम सदर विपिन द्विवेदी और सीओ सदर संजय रेड्डी मेडिकल कालेज का औचक निरीक्षण करने पहुंचे। अधिकारियों ने उपस्थिति पंजिका की जांच की। निरीक्षण के दौरान कार्यालय में तैनात कर्मचारियों के बारे में जानकारी ली। उसी दौरान मेडिकल कालेज में अलग–अलग स्थानों से आधा दर्जन संदिग्धों को हिरासत में लेकर कोतवाली भेज दिया गया। एसडीएम ने सभी के खिलाफ जांच कर मुकदमा दर्ज करने का निर्देश दिया है।

संजीव रेड्डी, सीओ सदर ने कहा कि पकड़े गए व्यक्ति अनधिकृत रूप से मेडिकल कालेज में उपस्थित होकर दलाली कर रहे थे। शासकीय कार्य में हस्तक्षेप एवं प्रभावित करते हुए पाए गए। एसडीएम के निर्देश पर सभी को कस्टडी में ले लिया गया।

उच्च न्यायालय ने अधिवक्ताओं की हड़ताल पर लगाई रोक

संवाददाता–कुशीनगर। उच्च न्यायालय इलाहाबाद ने उत्तर प्रदेश के समस्त जनपदों में अधिवक्ताओं की तरफ से की जा रही हड़ताल पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाने का निर्देश दिया है। यह निर्देश सर्वोच्च न्यायालय की तरफ से पारित आदेश के अनुपालन में दिया गया है।

इसकी जानकारी जनपद सिविल कोर्ट बार एसोसिएशन कुशीनगर स्थान पडरौना के अध्यक्ष गोपालजी तिवारी ने दी है। उन्होंने बताया कि कसया बार एसोसिएशन द्वारा अपनी मांगों के समर्थन में लगभग एक माह से हड़ताल किया जा रहा है। हड़ताल को संज्ञान में लेते हुए जनपद न्यायाधीश अशोक कुमार सिंह ने कसया बार एसोसिएशन को भेजे गए पत्र में उच्च न्यायालय एवं उच्च न्यायालय इलाहाबाद द्वारा जारी निर्देश का पालन करने को कहा है। तिवारी ने बताया कि जिन मुद्दों को लेकर कसया बार एसोसिएशन के अधिवक्ता हड़ताल पर हैं, उन मुद्दों को जनपद न्यायाधीश ने उच्च न्यायालय इलाहाबाद को विचार के लिए प्रेषित कर दिया है और हड़ताल खत्म करने का अनुरोध किया है।

प्लास्टिक मुक्त भारत का संकल्प लिया

संवाददाता–बस्ती। युवा विकास समिति, बस्ती द्वारा पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के सहयोग पृथ्वी दिवस के अवसर पर श्प्लेनेट वर्सेस प्लास्टिकश की थीम पर प्लास्टिक मुक्त भारत कार्यक्रम का आयोजन यूपीएस हर्रैया में किया गया।

मुख्य अतिथि जल जीवन मिशन में टीम लीडर प्रशांत द्विवेदी नें कहा की पृथ्वी दिवस दुनिया भर के नागरिकों को पर्यावरण संरक्षण और स्थिरता के महत्व की याद दिलाता है। इस वर्ष पृथ्वी दिवस की थीम ग्रह बनाम प्लास्टिक जो भारत में प्लास्टिक मुक्त भारत रखा गया है। यह कार्यक्रम प्लास्टिक प्रदूषण के गम्भीर मुद्दे पर ध्यान आकर्षित करती है। पर्यावरणविद सर्वेश त्रिपाठी ने प्लास्टिक मुक्त भारत की सफलता के लिये प्लास्टिक के दैनिक इस्तेमाल को कम करने तथा प्लास्टिक पदार्थ का निस्तारण कर रिसाईकिलिंग करने का सुझाव दिया। विशिष्ट अतिथि समन्वयक अर्जुन प्रजापति ने किचेन गार्डेन को बढ़ावा देने तथा जैविक खेती के द्वारा जमीन की उर्वरा शक्ति को बढ़ाने व गांव के जल स्रोतो की सफाई करने पर विशेष बल दिया। पृथ्वी दिवस के अवसर पर छात्र–छात्राओं द्वारा प्लास्टिक मुक्त भारत के बैनर तथा पृथ्वी दिवस से संबंधित नारों के साथ रैली निकाली गयी जिसमें स्थानीय लोग पर्यावरण से जुड़े सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

छात्र–छात्राओं द्वारा प्लास्टिक के कचरों को इक्ट्ठा कर डस्टबीन में एकत्रित किया गया तथा निकट भविष्य में प्रतिदिन प्लास्टिक कचरों को इक्ट्ठा करने की प्रतिज्ञा की। प्लास्टिक मुक्त भारत पर ड्राईंग कम्पटीशन, स्लोगन राईटिंग कम्पटीशन तथा निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्लास्टिक मुक्त भारत से संबंधित प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले प्रतिभागियो को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रशांत द्विवेदी द्वारा प्रमाण पत्र मोमेण्टम तथा अंगवस्त्रम् देकर प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। इस मौके पर छायादार पेड़ों का रोपण किया गया।

इस मौके पर अरुण कुमार पाण्डेय, मंगेश दूबे, नारायण बी अय्यर, गोविन्द मिश्र, बृजेश शुक्ल, अनुराग श्रीवास्तव, विशाल पाण्डेय सहित अनेकों लोग मौजूद रहे।

आरक्षण केवल पहली पीढ़ी को: सुप्रीम कोर्ट ने दिया फैसला

नई दिल्ली (आभा)। अनुसूचित जाति को मिलने वाले 15 फीसदी आरक्षण में भी सब–कोटे को सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को मंजूरी दी। अदालत ने 6–1 के बहुमत से फैसला देते हुए कहा कि राज्यों को एससी आरक्षण में भी जातीय आधार पर उसके वर्गीकरण का आधार है। यह आरक्षण उन जातियों के लिए अलग से वर्गीकृत किया जा सकता है, जो पिछड़ी रह गई हों और उनसे ज्यादा भेदभाव किया जा रहा हो। यही नहीं सुनवाई के दौरान जस्टिस पंकज मिथल ने कहा कि किसी भी कैटिगरी में पहली पीढ़ी को ही आरक्षण मिलना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि एससी और एसटी में आरक्षण का वर्गीकरण करना उचित विचार है।

कांग्रेसियों ने किया जोरदार प्रदर्शन, नोंकझोंक के बीच पुलिस ने छीना पुतला

संवाददाता–महराजगंज। लोकसभा में विपक्ष के नेता–कांग्रेस सांसद राहुल गांधी द्वारा बजट पर चल रही बहस के दौरान जातिगत जनगणना की मांग उठाए जाने पर भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर की टिप्पणी से कांग्रेसियों का पारा सातवें आसमान पर चढ़ गया है। प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के निर्देश पर जिलाध्यक्ष शरद कुमार सिंह बबलू की अध्यक्षता में कांग्रेसी गुरुवार को सड़क पर उतर गए। पार्टी कार्यालय से प्रदर्शन करते हुए सक्सेना चौराहे पर पहुंचे कांग्रेसियों ने जोरदार नारेबाजी करते हुए अनुराग ठाकुर का पुतला फूंकने की कोशिश की। बारिश के बीच प्रदर्शन कर रहे कांग्रेसियों से पुलिस कर्मियों की नोकझोंक हुई और पुलिस कर्मियों ने कांग्रेसियों से पुतला छीनकर फूंकने से रोक दिया। कांग्रेसियों ने कहा कि देश की सबसे बड़ी पंचायत लोकसभा में भाजपा के पूर्व मंत्री–सांसद अनुराग ठाकुर ने सत्र के दौरान नेता प्रतिपक्ष–पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी के प्रति असंसदीय भाषा का प्रयोग करके अपनी ओछी मानसिकता का परिचय दिया। इसे कांग्रेसी किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेंगे। कांग्रेस जिलाध्यक्ष शरद सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री को मामले में हस्तक्षेप करते हुए अपने नेताओं को इस तरह की बयानबाजी करने से रोकना चाहिए। कहा कि ऐसा नहीं होता है तो जनता सड़क पर उतरने को मजबूर हो जाएगी। कांग्रेसियों के प्रदर्शन को लेकर पुलिस पहले से सजग थी। सक्सेना चौराहे पर कांग्रेसियों के पहुंचते ही पुलिस कर्मी सक्रिय हो गए। बारिश के बीच पहले कांग्रेसियों से बातचीत की और जब कांग्रेसी पुतला फूंकने की कोशिश शुरू किए तो हल्की नोकझोंक के बीच पुलिस कर्मियों ने पुतला छीन लिया और साथ लेकर चले गए। इस दौरान त्रिभुवन नारायन मिश्र, गोपाल शाही, पूर्णमासी, राजू यादव, चन्द्रजीत भारती, डॉ. घनश्याम मिश्र, सीमा मद्धेशिया, विजय सिंह एडवोकेट, कपिलदेव शुक्ला, इश्त्याक अहमद, तमेश्वरनाथ पाण्डेय, जग्गू प्रसाद, शिवशंकर वर्मा, इकरार खान, वेदप्रकाश मिश्र, अरविन्द यादव, राजन शुक्ला, लक्ष्मीशंकर यादव, नूरआलम, विनोद सिंह. अकील शेख, विराजवीर अभिमन्यु, विधि नारायन वर्मा, दुर्गेश गुप्ता, संतोष मोदनवाल, अशफाक हुसैन अंसारी, असलम अली, रता कुमार पाण्डेय, अजय कुमार, डॉ. रामनारायन चौरसिया, रामप्यारे प्रसाद, वीरेन्द्र कुमार, दीपचन्द्र त्रिपाठी, अजय पाण्डेय, अकरम सलमानी, सागर सिंह, मंगेश शुक्ला, दीपक, चंचल, गजेन्द्र, अजय, परवेज, अभिषेक, नीतीश, विनय तिवारी, अनूप, विशाल, सोनू, विवके, नीरज, आकाश, सुशील, दीपक, विकास, लालमन, जीत, सोनू, मोनू, गोलू, मिलखा, दुर्गेश साहनी, ब्रजभूषण, सतीश, अरविन्द, अजय तिवारी, दिलीप जायसवाल, सुहेल अहमद आदि कांग्रेसी उपस्थित रहे।

विद्यालय से सोलर पैनल व पंखा चोरी करते धरा गया प्रधान शिक्षक

संवाददाता–श्रावस्ती। शिक्षा के मंदिर का पुजारी बुधवार शाम विद्यालय में लगे सोलर पैनल व पंखा पिकअप पर लाद कर कहीं ले जाने की फिराक में था जिसे ग्रामीणों ने चोरी कराते रंगे हाथ दबोच लिया। प्रधान शिक्षक का तर्क था कि वह इसे बनवाने ले जा रहा है जबकि बीईओ गिलौला ने कहा कि बगैर अनुमति विद्यालय से कोई सामान नहीं ले जाया जा सकता फिलहाल मामले की जांच बीएसए ने बीईओ गिलौला को सौंपी है।

गिलौला के प्राथमिक विद्यालय तिलकपुर में तैनात प्रधान शिक्षक शिवकांत यादव को ग्रामीणों ने बुधवार शाम विद्यालय से चोरी करते रंगे हाथ दबोच लिया। प्रधान शिक्षक विद्यालय में लगा 550 वाट के चार व 200 वाट के दो सोलर पैनल सहित उससे चलने वाले चार पंखे खुलवा कर पिकअप पर लदवा रहा था जिसे देखकर गांव निवासी सूरज, नंद कुमार, महेश, रामराज, संचित, रज्जन व ओंकार सहित अन्य ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। ग्रामीणों की पूछताछ में पिकअप चालक ने बताया कि वह भाड़े पर आया था।

इस सामान को कहां ले जाना था। इसकी उसे जानकारी नहीं है। वहीं, प्रधान शिक्षक का तर्क था कि वह इसे बनवाने के लिए ले जा रहा था। इस दौरान प्रधान शिक्षक व ग्रामीणों में झड़प भी हुई। ग्रामीणों की ओर से इसका वीडियो बनाकर डीएम व बीएसए से शिकायत की गई। जिसकी जांच बीएसए ने खंड शिक्षाधिकारी गिलौला को सौंपी है। वहीं, इस बारे में बीईओ का कहना है कि विद्यालय का कोई भी सामान बगैर अनुमति नहीं ले जाया जा सकता है। जांच कर उसकी रिपोर्ट बीएसए को सौंपी जाएगी। जो भी कार्रवाई होनी होगी बीएसए के स्तर से होगी।

ई-आफिस प्रणाली का शुभारंभ, डिजिटल निस्तारित होंगे मामले

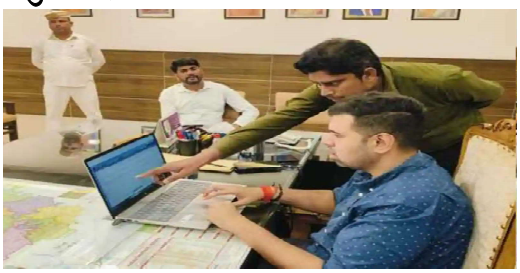

संवाददाता–महराजगंज। महराजगंज कलक्ट्रेट में गुरुवार को ई–आफिस प्रणाली का शुभारंभ हो गया। डीएम अनुनय झा ने आफिस प्रणाली का शुभारंभ करते हुए राजस्व विभाग की 10 पत्रावलियों को डिजिटल हस्ताक्षर कर निस्तारित किया। इस अवसर पर डीएम ने कहा कि आगामी समय में पत्रावलियां ई–ऑफिस प्रणाली के माध्यम से ही प्रस्तुत की जाएंगी। कहा कि समस्त अधिकारियों, कर्मचारियों द्वारा सभी कार्यवाहियों जैसे डिजिटल सिग्नेचर, निकनेट कनैक्शनध्वीपीएन एवं वर्कफ्लो तैयार करने सहित विभिन्न कार्यों ऑनलाइन संपादित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप सभी पत्रावलियों का परिचालन ई–ऑफिस प्रणाली के माध्यम से किया जाएगा। उन्होंने बताया कि ई–ऑफिस को शुरू करने का मुख्य उद्देश्य कार्यालयों को पेपरलेस बनाते हुए शासकीय कार्यों को गति प्रदान करना है। ई–ऑफिस में किसी भी समय पत्रों एवं फाइलो पर कार्य किया जा सकता है। साथ ही ई–ऑफिस प्रणाली पेपरलेस होने के कारण पर्यावरणनुकूल भी है और सभी प्रपत्रों के ऑनलाइन होने के कारण उनके गायब होने अथवा किसी अन्य प्रकार की त्रुटि होने की आशंका समाप्त हो जाएगी। उन्होंने कहा कि ई–ऑफिस प्रणाली में अधिकारियों और कर्मचारियों की जवाबदेही को पारदर्शी तरीके से तय किया जा सकेगा।

जिला सूचना विज्ञान अधिकारी मनोज कुमार ने बताया कि शासन की मंशा के अनुरूप और डीएम के निर्देशानुसार जनपद में सभी कार्यालयों को डिजिटल करने के कार्य शुरू हो चुका है। फिलहाल राजस्व कार्यालयों को ई–ऑफिस प्रणाली के अंतर्गत लाया गया है। धीरे–धीरे अन्य कार्यालयों में भी क्रमागत रूप से ई–ऑफिस प्रणाली लागू किया जाएगा। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी डॉ. पंकज कुमार वर्मा, मनोज कुमार, सहायक जिला सूचना विज्ञान अधिकारी निखिल कुमार, ई डिस्ट्रिक्ट मैनेजर रजी अख्तर सिद्दीकी, तानसेन, मनीष कुमार सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

आरटीओ ने एआरटीओ से पूछा छत पर क्यों चलाते हो कार्यालय

संवाददाता–महराजगंज। आरटीओ गोरखपुर रामवृक्ष सोनकर ने एआरटीओ कार्यालय महराजगंज का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान कई खमियां मिलीं। इस पर एआरटीओ विनय कुमार को आड़े हाथों लिया। कड़ी चेतावनी दी कि प्रतिदिन सुबह दस से 12 बजे तक भूतल पर पहले के बने कार्यालय में ही बैठें। उसके बाद ही क्षेत्र भ्रमण पर जांय। एआरटीओ कार्यालय इन दिनों खूब सुर्खियों में है। कुछ दिन पहले एसडीएम व एसओजी की टीम ने भी छापामारी की थी, जिसमें चार लोगों को संदेह के आधार पर हिरासत में लिया था। आरटीओ गोरखपुर रामवृक्ष सोनकर ने एआरटीओ कार्यालय का निरीक्षण किया। आरटीओ ने जांच में पाया कि एआरटीओ विनय कुमार ने अपना कार्यालय भूतल से हटकार छत पर प्रथम तल पर ले गए हैं। जहां पता ही नहीं चलता कि एआरटीओ कहां बैठते हैं? उनसे कैसे मुलाकात होगी? इस पर आरटीओ ने निर्देश दिया कि वह अपना कार्यालय पहले की तरह से भूतल पर ही संचालित करें। लोगों की शिकायत पर आरटीओ ने कड़ी चेतावनी दी कि वह जनता की समस्या समाधान के लिए प्रतिदिन सुबह दस बजे से दोपहर 12 बजे तक अपने कार्यालय में बैठें। यह भी मामला सामने आया कि गाड़ियों की जांच के दौरान कई गाड़ियों का मौके पर चालान नहीं किया जाता। चालक से गाड़ी का कागज लेकर रख लिया जाता है। इस पर आरटीओ ने निर्देश दिया कि सभी कार्य पारदर्शी, निष्पक्ष ढंग से संपादित करें। ऐसा कार्य नहीं होना चाहिए, जिससे विभाग व सरकार की छवि धूमिल हो।

छह माह से सड़क निर्माण ठप, लोगों ने पोस्टर लगाकर मांगा जवाब

संवाददाता–बहराइच। गणेशगंज में छह माह से सड़क का निर्माण रुका हुआ है। स्थानीय लोग परेशान हैं। लोगों ने गली के मुहाने पर पोस्टर लगा दिया है। इसमें जिम्मेदारों से जवाब मांगा गया है। सड़क का निर्माण सांसद निधि से हो रहा था।

गुस्साए स्थानीय लोगों ने सोशल मीडिया पर भी नगर निगम और महापौर को टैग करते हुए पोस्ट किए हैं। गली में लगे पोस्टर में लिखा है कि 'विगत छह माह से सड़क नहीं बनने दी जा रही है, गंदगी जानलेवा मच्छरों का बसेरा है, पूछ रहे हैं स्थानीय निवासी जिम्मेदार चुप, जवाबदेह कौन। यहां रहने वाले दिवाकर मिश्रा ने बताया कि सांसद निधि से यह सड़क निर्माण शुरू हुआ था। आरोप है कि एक नेता ने निर्माण रुकवा दिया। इसके बाद कुछ दिन तक तो ठेकेदार ने स्थिति सामान्य होने की प्रतीक्षा की। इसके बाद सामान समेटकर चला गया। अब अधूरी सड़क और नाली बरसात के मौसम में दिक्कत बन गई है। यह सड़क मनीषा होटल के पास वाली गली की है। लोगों ने कई बार नगर निगम के अधिकारियों से लेकर महापौर तक शिकायत की है।

डाक पंजीकरण संख्या बी.एस.टी.82 R.N.I. 40367/84
साप्ताहिक
आवाज दर्पण
प्रत्येक रविवार
स्वत्वाधिकारी भारतीय बस्ती प्रकाशन की ओर से प्रकाशक एवं सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय द्वारा 70 नया हाल जिला परिषद भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से प्रकाशित और मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस 70 नया हाल जिला परिषद भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित।
सम्पादक–दिनेश चन्द्र पाण्डेय
प्रबन्ध सम्पादक–दिलीप चन्द्र पाण्डेय
मो.०६४५०५६७४५०
Email- Awazdarpan@yahoo.com